Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 281
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 महाराष्ट्र अब 'क्वांटम कॉरिडोर' के नक्शे ..
4 भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी ..
7 धर्मेंद्रसिंह जडेजा की शानदार गेंदबाजी, ..

संक्षिप्त न्यूज

अशोकनगर की वास्तुकला में झलकनी चाहिए मध्य प्रदेश के राज घरानों की वीर गाथाएँ: सिंधिया

अशोकनगर/भोपाल। केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अशोकनगर जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, संबंधित अधिकारीगण, स्थानीय विधायक, पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में अशोकनगर शहर के प्रमुख तुलसी सरोवर के विकास, सौंदर्यीकरण और पर्यटन संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सिंधिया ने कहा कि अशोकनगर शहर में होने वाले प्रत्येक विकास कार्य का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना, शहर की सांस्कृतिक एवं पर्यटन धरोहरों का संरक्षण करना होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता, टिकाऊ सामग्री और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाए।

सिंधिया ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तुलसी सरोवर को केवल एक जल निकाय नहीं, बल्कि अशोकनगर का महत्वपूर्ण पर्यटन आकर्षण केंद्र बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सरोवर पर आने वाले पर्यटकों और स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए सुनियोजित पार्किंग सुविधा और हॉकर जोन का निर्माण करने और लेक फ्रंट डेवलपमेंट में स्थानीय चंदेरी पत्थर का उपयोग करने पर के निर्देश दिए ताकि निर्माण में स्थानीय संस्कृति की झलक हो। साथ ही, सरोवर के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए आधुनिक लाइटिंग के प्रयोग पर भी विशेष बल दिया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए कि सभी वास्तुकलाओं में ग्वालियर सहित मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक वीर गाथाओं की छवि दिखनी चाहिए। सौंदर्यीकरण में मध्य प्रदेश द्वारा विभिन्न काल खंडों में लड़ी गई लड़ाइयों, उनके संघर्षों और विजय गाथाओं की कहानी झलकनी चाहिए। इन कलाओं से स्पष्ट रूप से वीर योद्धाओं की महान गाथाओं को संदेश मिलने चाहिए।

आंध्र प्रदेश को पीएम मोदी का तोहफा, बोले- 140 करोड़ भारतीयों की होगी 21वीं सदी

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएँ और अपार क्षमताएँ हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में, राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त है।

मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से, राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह बन रहा है। जैसा कि चंद्रबाबू गारू ने ठीक ही कहा है, इस अजेय गति को देखते हुए, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ: 2047 तक, जब भारत अपनी आज़ादी के 100 साल पूरे करेगा, यह सचमुच एक विकसित भारत होगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि तेज़ विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गाँवों में बिजली का खंभा तक नहीं था।

मोदी ने कहा कि आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को तेज़ी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गाँवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मज़बूत करने पर है।

नक्सलवाद पर सबसे बड़ी चोट! छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने डाला हथियार, शाह बोले- ऐतिहासिक दिन

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ पहाड़ी वन क्षेत्र और उत्तरी बस्तर को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। 170 माओवादियों ने आज आत्मसमर्पण कर दिया। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। कल राज्य में 27 ने हथियार डाल दिए थे। महाराष्ट्र में कल 61 नक्सली मुख्यधारा में लौट आए। कुल मिलाकर, पिछले दो दिनों में 258 युद्ध-प्रशिक्षित वामपंथी उग्रवादियों ने हिंसा का त्याग किया है।

यह हालिया आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 10 महिलाओं सहित 27 माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण करने के एक दिन बाद हुआ है। इस समूह में उग्रवादी नेटवर्क की सबसे खतरनाक इकाइयों में से एक, खूंखार पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन-01 के दो कट्टर कार्यकर्ता भी शामिल थे। आत्मसमर्पण करने वाले और मुख्यधारा में शामिल हुए माओवादियों का स्वागत करते हुए, शाह ने हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना की।

शाह ने कहा कि मैं हिंसा का त्याग करने और भारत के संविधान में आस्था रखने के उनके निर्णय की सराहना करता हूँ। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा इस समस्या को समाप्त करने के अथक प्रयासों के कारण नक्सलवाद अब अपनी अंतिम साँसें ले रहा है। शाह ने आगे घोषणा की कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर को आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'यह बेहद खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित कर दिए गए हैं।'

'1994 से लागू है पहचान जांच का नियम', बुर्का या पर्दा पहनकर वोटिंग विवाद पर चुनाव आयोग की सफाई

नई दिल्ली। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। ऐसे में अब चुनाव से पहले पर्दा करने या बुर्का पहनकर मतदान करने वाली महिलाओं की पहचान की जांच को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी समेत कुछ विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से इस फैसले को वापस लेने की मांग की है। हालांकि मामले में चुनाव आयोग ने सफाई दी है कि यह कोई नया नियम नहीं है, बल्कि 1994 से ही लागू है, जब टीएन शेशन चुनाव आयुक्त थे। आयोग ने बताया कि उस समय महिलाओं की पहचान सम्मानजनक तरीके से करने के निर्देश दिए गए थे ताकि महिला मतदाताओं की गोपनीयता बनी रहे।

1994 के आदेश में क्या कहा गया था?

बता दें कि 21 अक्तूबर 1994 को दिए गए आदेश में कहा गया था कि पर्दा करने वाली या बुर्का पहनने वाली महिलाओं की पहचान के लिए मतदान केंद्रों पर अलग से व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे महिलाओं की गोपनीयता बनी रहे। उस समय आयोग ने निर्देश दिया था कि मतदान केंद्रों पर ऐसे महिलाओं के लिए अलग से एक ढका हुआ स्थान बनाया जाए, जहां वे अपनी पहचान बिना किसी झिझक के दिखा सकें।

मिशन बिहार के लिए बीजेपी ने उतारी दिग्गजों की फौज, पीएम मोदी-शाह समेत 40 स्टार प्रचारक करेंगे शंखनाद

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 40 स्टार प्रचारकों की अपनी सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह समेत कई शीर्ष नेता शामिल हैं। इस सूची में कई प्रमुख नेता, मुख्यमंत्री और मशहूर हस्तियां शामिल हैं। इसमें भाजपा के 5 मुख्यमंत्री- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं।

इस सूची में कुछ समय के लिए राजनीतिक सुर्खियों से दूर रहे लोगों को भी शामिल किया गया है, और जिन लोगों को चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं मिला है, उनमें पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी सबसे बड़ा नाम हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं। उनके अलावा, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, पूर्व डिप्टी सीएम रेनू देवी और कई अन्य राज्य मंत्री भी शामिल हैं।

सूची में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय जल मंत्री सीआर पाटिल, डॉ. दिलीप कुमार जयसवाल, प्रेम कुमार, नित्यानंद राय, सतीश चंद्र दुबे, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, राजीव प्रताप रूडी, डॉ. संजय जयसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी शामिल हैं। इसमें भोजपुरी सिनेमा के कुछ बड़े नाम, अभिनेता-गायक से राजनेता बने पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' भी शामिल हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है, जबकि मतदान 6 नवंबर को होगा। इससे पहले बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की, जिसमें 18 नाम शामिल थे।

'यहाँ से तारीफ़, वहाँ से टैरिफ', जयराम रमेश का पीएम मोदी पर तंज, विदेश नीति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप के 'भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा' के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। कांग्रेस में संचार मामलों के प्रभारी महासचिव रमेश ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और यह भी बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनानी चाहिए और बताना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है।

राज्यसभा सांसद ने ट्रंप द्वारा किए गए कई दावों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें 'व्यापारिक धमकियाँ' देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप 51 बार दावा कर चुके हैं कि व्यापारिक धमकी देकर भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने के लिए वे ज़िम्मेदार हैं। कल ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा। और प्रधानमंत्री इस पर चुप हैं! अगर ऐसा कोई फ़ैसला लिया गया है, तो प्रधानमंत्री को इसकी घोषणा करनी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री ट्रंप की तारीफ़ में ट्वीट करते हैं, लेकिन टैरिफ़ अमेरिका लगाता है। भारत सरकार अपने फ़ैसलों की घोषणा क्यों नहीं करती?' कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह ट्रंप से 'डरे हुए' हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- भारतीय शांति सैनिकों ने अपनी अलग पहचान बनाई, अर्जित की लोगों की भरोसेमंद मित्रता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि भारतीय शांति सैनिकों ने न केवल अपने लिए एक विशेष स्थान बनाया है, बल्कि उन्होंने जिन क्षेत्रों में सेवा की है, वहां लोगों का विश्वास और स्नेह भी जीता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने यह बात राष्ट्रपति भवन में संयुक्त राष्ट्र सैनिक योगदान देने वाले देश के लिए आयोजित सेना प्रमुखों का सम्मेलन में कही। उन्होंने शांति स्थापना के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों और योगदान को सराहा। तीन दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्घाटन 14 अक्तूबर 2025 को मानेकशॉ सेंटर में हुआ था। यह अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

हमारे सैनिकों ने विशिष्टता दिखाई है- मुर्मू

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने शांति सैनिकों के माध्यम से लैंगिक समावेश में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने यह भी बताया कि महिला शांति सैनिकों ने स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाया है और वहां विश्वास और सहयोग की भावना बढ़ाई है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'भारत को गर्व है कि वह शुरुआत से ही संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना अभियानों में लगातार योगदान दे रहा है। हमारे सैनिकों ने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में सेवा करते हुए विशिष्टता दिखाई है।'

'भारतीय शांति सैनिकों ने लोगों का भरोसा जीता'

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति होने के नाते बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का पालन करता है। राष्ट्रपति ने कहा, 'वर्षों की भागीदारी के दौरान भारतीय शांति सैनिकों ने केवल संयुक्त राष्ट्र के उद्देश्यों को निभाया ही नहीं बल्कि उन्होंने अपने लिए एक विशेष पहचान भी बनाई। उन्होंने संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में लोगों का भरोसा और स्नेह अर्जित किया है।'

'यूएन के शांति सैनिक 71 अलग-अलग मिशन में तैनात'

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि जो देश शांति स्थापना के लिए अपने बहादुर पुरुषों और महिलाओं को भेजते हैं, उन्हें मिलकर ऐसी व्यवस्थाएं बनानी चाहिए, जो सेना योगदान देने वाले देशों की आवाज को मजबूत करें। उन्होंने बताया कि अब तक संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिक 71 अलग-अलग मिशनों में तैनात किए जा चुके हैं। वर्तमान में लगभग 68,000 शांति सैनिक 11 मिशनों में सेवा दे रहे हैं, जिनमें से 90 प्रतिशत से अधिक यूनिफॉर्मधारी कर्मी हैं। ये मिशन मुख्य रूप से निष्पाप लोगों, खासकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की पीड़ा को कम करने का काम करते हैं।

ओडिशा के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने पटनायक को 79वें जन्मदिन पर बधाई दी

भुवनेश्वर। ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष नवीन पटनायक को उनके 79वें जन्मदिन पर बधाई दी।

कंभमपति ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्री नवीन पटनायक जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। महाप्रभु जगन्नाथ उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्नता और दीर्घायु प्रदान करें। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि माझी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने 11 दिसंबर को कहा, ''मैं भगवान श्री जगन्नाथ से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और आनंदमय जीवन की प्रार्थना करता हूं।'' पटनायक के जन्मदिन के अवसर पर कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। उनका जन्म 16 अक्टूबर 1946 को कटक में हुआ था।

राज्यसभा सांसद सुभाशीष खुंटिया ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के सामने महा दीप दान (पारंपरिक दीपदान) का आयोजन किया और पूर्व मुख्यमंत्री के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। पटनायक दिन में कुछ गांवों का दौरा करेंगे और बच्चों से मिलेंगे तथा बातचीत करेंगे। इसके अलावा वह भुवनेश्वर में बीजद की वार्षिक जन संपर्क पदयात्रा में भी शामिल होंगे।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने आरएसएस की गतिविधियों को रोकने के लिए नियम लाने का फैसला किया

बैंगलुरू। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार (16 अक्टूबर) को सरकारी स्कूल और कॉलेज परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से नियम बनाने का फैसला किया है। मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा घोषित इस कदम ने राजनीतिक हलकों और राज्य के शिक्षा हितधारकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया है। यह निर्णय कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को लिखे गए पत्र के आधार पर लिया गया है, जिसमें आरएसएस की गतिविधियों और उससे जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी।

कैबिनेट बैठक के बाद मंत्री ने मीडिया को बताया कि हम जो नियम लाना चाहते हैं, वे सार्वजनिक स्थानों, सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी परिसरों, सरकारी स्वामित्व वाले संस्थानों और सहायता प्राप्त संस्थानों से संबंधित हैं। हम गृह विभाग, कानून विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा जारी पिछले आदेशों को एक साथ लाकर एक नया नियम बनाएंगे। अगले दो-तीन दिनों में, नया नियम कानून और संविधान के दायरे में लागू हो जाएगा।

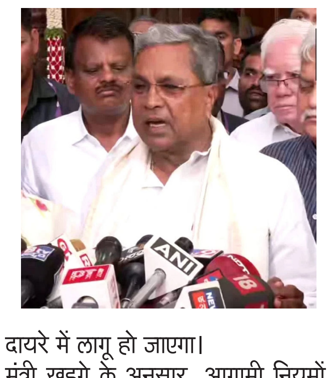

मंत्री खड़गे के अनुसार, आगामी नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शैक्षणिक संस्थान तटस्थ स्थान बने रहें और केवल शिक्षा और कल्याण पर केंद्रित रहें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी भी संगठन को, चाहे उसकी विचारधारा कुछ भी हो, ऐसी गतिविधियाँ संचालित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जो सरकारी संस्थानों में छात्रों को प्रभावित या ध्रुवीकृत कर सकती हों। उन्होंने कहा, 'हम किसी भी संगठन को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अब से आप सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर अपनी मनमर्जी नहीं कर सकते। आपको जो भी करना है, वह सरकार की अनुमति लेने के बाद ही करना होगा।'

खड़गे ने कहा कि ऐसी गतिविधियों को अनुमति देना या न देना सरकार के विवेक पर निर्भर है। अनुमति देने के लिए कुछ मानदण्ड निर्धारित होने का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा, 'आप सिर्फ अधिकारियों को सूचना देकर सड़क पर लाठी लहराते हुए नहीं चल सकते या पथ संचलन नहीं निकाल सकते। ये सभी चीजें उन नियमों का हिस्सा होंगी जिन्हें हम लागू करने जा रहे हैं।'

जैसलमेर बस त्रासदी! राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला, मृतकों के परिजनों को 10-25 लाख तक की आर्थिक मदद

जैसलमेर। राजस्थान के थार रेगिस्तान की चिलचिलाती गर्मी में, जैसलमेर से जोधपुर तक की एक रात भर की यात्रा एक भयावह कक्ष में बदल गई। 14 अक्टूबर को, जैसलमेर शहर से लगभग 10 किलोमीटर दूर थईयात गाँव के पास, परिवारों और बच्चों सहित 57 यात्रियों को ले जा रही एक निजी वातानुकूलित स्लीपर बस में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में, वाहन, जो कि पांच दिन पहले ही एसी से सुसज्जित एक नया चमचमाता हुआ अधिग्रहण था, मौत का जाल बन गया। इक्कीस लोग, जिनमें तीन बच्चे थे, पहचान से परे जल गए। सोलह अन्य स्थानीय अस्पतालों में गंभीर रूप से जलने से जूझ रहे हैं।

भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रासदी में जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया, साथ ही मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जैसलमेर में दुर्घटना स्थल और जोधपुर के अस्पताल का दौरा करने के लिए तत्पर थे

राजस्थान सरकार ने जैसलमेर बस हादसे में जान गंवाने वालों के आश्रितों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके तहत मृतकों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर बस हादसे के मृतको के आश्रितों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार मृतकों के परिजनों के साथ खड़ी है

दीवाली पर मनपा सजग : पटाखो की बिक्री पर समीक्षा बैठक संपन्न

दीवाली के मद्देनजर आयुक्त की अध्यक्षता मे सभी मनपा अधिकारी रहे मौजूद

मंत्र भारत। भाईदंर
मीरा-भायंदर शहरे के लोगो की सुरक्षा के लिए मनपा प्रशासन ने केवल 29 स्थानों पर ही पटाखों की बिक्री की अनुमति दी है।16 अक्टूबर, को मीरा-भायंदर मनपा के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में पटाखों की बिक्री और बिक्री के लिए निर्दिष्ट स्थानों के संबंध में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आगामी दिवाली त्योहार की पृष्ठभूमि में, नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी दायरे में पटाखों की सुचारू बिक्री सुनिश्चित करने के लिए यह बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण (भा.पु.से.), उपायुक्त (मुख्यालय) कल्पिता पिंपले, मनपा अभियंता दीपक खम्बित, साथ ही नगर सहायक आयुक्त और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मीरा-भायंदर महानगरपालिका और पुलिस प्रशासन द्वारा निर्दिष्ट स्थानों पर पटाखों की बिक्री की अनुमति देने के निर्देशों पर चर्चा की गई। आयुक्त ने पटाखों की बिक्री के लिए प्राप्त आवेदनों

पर तुरंत कार्रवाई करने और सभी आवश्यक अनुमतियां जारी करने के निर्देश दिए। मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में दिवाली उत्सव के संदर्भ में, पटाखों की बिक्री के लिए सार्वजनिक मैदानों और खुले स्थानों में कुल 29 ऐसे स्थानों का चयन किया गया है। सभी वार्ड अधिकारियों और स्थानीय पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्दिष्ट स्थानों के अलावा किसी भी स्थान पर पटाखे बेचने या स्टॉल लगाने वाले विक्रेताओं के खिलाफ संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। नागरिकों की सुरक्षा और आग से बचाव के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही गई। महत्वपूर्ण रूप से, यह स्पष्ट किया गया कि यदि निर्दिष्ट क्षेत्र के बाहर अनधिकृत रूप से पटाखों के स्टॉल लगाने के कारण आग लगने जैसी कोई घटना होती है, तो स्थानीय पुलिस स्टेशन अधिकारी, संबंधित वार्ड अधिकारी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी घटना के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण ने इस निर्णय को मंजूरी दे दी है। हालाँकि पटाखों की बिक्री त्योहार का एक हिस्सा है, फिर भी जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आयुक्त ने कहा कि नागरिकों के लिए एक सुरक्षित और अनुशासित वातावरण बनाने के लिए मनपा और पुलिस प्रशासन के संयुक्त प्रयास किए जाएँगे। मीरा-भायंदर मनपा प्रशासन दिवाली के दौरान पटाखों की बिक्री से संबंधित सभी नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है, और नागरिक भी सुरक्षित और ज़िम्मेदारी से त्योहार मनाएँ, ऐसी अपील मनपा आयुक्त ने बैठक के बाद की है।

मीरा-भायंदर मनपा द्वारा में छठ पूजा तैयारी पर समीक्षा बैठक आयोजित

मंत्र भारत। भाईदंर
16 अक्टूबर, को मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में छठ पूजा उत्सव की तैयारियों के संबंध में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पारंपरिक आस्था, भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक छठ पूजा, मीरा-भायंदर मनपा क्षेत्र में 26 और 27 अक्टूबर, 2025 को बड़े पैमाने पर मनाई जाएगी। बैठक में अपर आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण उपायुक्त (मुख्यालय) कल्पिता पिंपले, मनपा अभियंता दीपक खम्बित सहित मनपा सहायक आयुक्त और पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में छठ पूजा के पारंपरिक कार्यक्रम हेतु नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण निर्मित करने पर बल दिया गया। छठ पूजा के दौरान झीलों, तटों एवं घाट क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नागरिक एकत्रित होते हैं। आयुक्त ने संबंधित विभागों को नागरिक सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, जलापूर्ति एवं चिकित्सा सुविधाओं के सभी पहलुओं पर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही, भीड़ को नियंत्रित करने एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने के आदेश दिए गए। छठ पूजा लोगों की आस्था एवं सांस्कृतिक एकता का पर्व है, अतः नागरिकों से अपील है कि वे इस पर्व को मनाते समय स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखकर प्रशासन का सहयोग करें यह अपील मनपा प्रशासन ने शहर के लोगो से की है।

राज्य रिजर्व पुलिस बल के जवान रेलवे पुलिस बल में शामिल हो गए हैं

मुंबई - जिला स्थानांतरण के अनुसार लगभग 50 राज्य रिजर्व पुलिस बल के जवान रेलवे पुलिस बल में शामिल हो गए हैं। उन्हें घाटकोपर मुख्यालय और मुंबई सहित विभिन्न रेलवे पुलिस स्टेशनों और शाखाओं में शामिल किया गया है। इस संबंध में रेलवे पुलिस आयुक्तालय के आयुक्त राकेश कलासागर द्वारा आदेश जारी किए गए हैं।

इन सभी को रेलवे पुलिस बल में शामिल करने के निर्देश जूनियर स्थापना शाखा द्वारा दिए गए हैं। तदनुसार, ये पुलिसकर्मी शामिल हो रहे हैं। इस निर्देश में, पुलिस कर्मियों को उनके अनुरोध पर रिजर्व पुलिस बल समूह से मुंबई रेलवे आयुक्तालय स्थापना में स्थानांतरित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ये स्थानांतरण उनके स्वयं के अनुरोध पर किए गए हैं। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में, उन्हें नियुक्ति की अवधि, स्थानांतरण भत्ता के साथ-साथ स्थानांतरण और यात्रा भत्ते के लिए महाराष्ट्र सिविल सेवा (नियुक्ति की अवधि, अतिरिक्त-सेवा, आदि) नियम, 1981 के नियमों के अनुसार स्थानांतरण पर उपस्थित होने की अनुमति नहीं होगी। इस बीच, उनकी वरिष्ठता गृह विभाग के सरकारी परिपत्र संख्या पौएमाग्न 0314/203/प्र.सं.68/पोल-

5वाई दिनांक 12.5.2021 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित की जाएगी। उनकी भर्ती 2007 से 2010 के बीच हुई थी, और 2007 में पुलिस कांस्टेबल के रूप में भर्ती हुए पुलिस अधिकारी वर्तमान में पुलिस कांस्टेबल के रूप में कार्यरत हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आरपीएफ कर्मियों का सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग ने रेलवे चिल्ड्रन इंडिया के सहयोग से आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों का सम्मान किया। इसके लिए, रेलवे चिल्ड्रन इंडिया (आरसीआई) के सहयोग से वाईएमसीए (मुंबई सेंट्रल) में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।आरपीएफ ने बताया कि इस कार्यक्रम में मध्य रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा और बचाव में योगदान देने वाले आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मध्य रेलवे, मुंबई के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ऋषि कुमार शुक्ला, जिला बाल विकास अधिकारी, मुंबई शहर शोभा शेलार, रेलवे चिल्ड्रन इंडिया के सीईओ नवीन सेलराजू सुकुमार, आरपीएफ (दादर) के सहायक सुरक्षा आयुक्त रंजीत के.आर. बेझबरुआ, सीडब्ल्यूसी मुंबई शहर के सदस्य श्याम मिस्त्री और विद्या भारती संस्था के अध्यक्ष संतोष शिंदे और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर रेलवे के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा और बचाव में उनके उल्लेखनीय और मानवीय योगदान के लिए 49 आरपीएफ अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, विद्यायक भारती संस्था के अध्यक्ष संतोष शिंदे ने आरसीआई प्रतिनिधियों के साथ आरपीएफ कर्मचारियों के लिए बाल संरक्षण और भारतीय रेलवे के मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) पर एक विशेष प्रशिक्षण और संवेदीकरण सत्र का आयोजन किया।

इस बीच, कार्यक्रम का मार्गदर्शन और समन्वय शोभा शेलार और ऋषि कुमार शुक्ला ने किया। यह कार्यक्रम रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), महिला और बाल विकास विभाग, मुंबई शहर और रेलवे चिल्ड्रन इंडिया (आरसीआई) के बीच मजबूत साझेदारी और समन्वय का प्रतीक है। गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी भावना व्यक्त की कि यह रेलवे प्रणाली के संपर्क में आने वाले बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करता है।

घाटकोपर ज्वैलर्स डकैतीः दो को 23 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

मुंबई - बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे, तीन लुटेरों ने घाटकोपर पश्चिम के अमृत नगर इलाके में दर्शन ज्वैलर्स पर गोलीबारी की और चाकू मारने की धमकी दी। चोरों ने एक दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला किया और उसकी गर्दन को गंभीर रूप से घायल कर दिया और 30 ग्राम सोना चुरा लिया।

आरोपी तनिश सुशील भौतड़े और सूरज जगदीश यादव को गिरफ्तार किया गया। अब उन्हें 23 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उनके पिछले अपराधों की जांच की जा रही है, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव ने बताया। बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे, तीन अज्ञात व्यक्ति घाटकोपर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत अमृत नगर में गोलीबार रोड पर दर्शन ज्वैलर्स में घुसे कोट.वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव ने बताया कि उसके एक अन्य साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की संभावना जताई है। आगे की जाँच जारी है।

घाटकोपर में 10 बांग्लादेशी गिरफ्तार जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं

मुंबई - घाटकोपर पुलिस ने मुंबई और नवी मुंबई इलाकों से 10 बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाएगा।

यह कार्रवाई परिमंडल 7 के पुलिस उपायुक्त राकेश ओला के मार्गदर्शन में घाटकोपर पुलिस स्टेशन की अपराध शाखा के पुलिस निरीक्षक रेवणसिद्ध ठेंगले के नेतृत्व सहायक पुलिस निरीक्षक गणेश राठौड़, अमलदार गावित वाली टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। अन्य में जुई रोहिम खान, शिलेट, थाना- मदुपुर, जिला- हबीगंज, नूरशत मो इस्माइल शेख नौग्राम, थाना- सुजानगर जिला- पाबना, सुक्रान मामून मुल्ला पाटलबड़ी, थाना- कालिया, जिला- नराईल,

रिनी मो अबुबक्कर शेख पेडोली, थाना- कालिया, जिला-नोरेल, मोहम्मद अरिफुल शकीकुल इस्लाम गोगा कल्याणी, थाना-वारसा, जिला-जोशर, परी रहीम शेख कदमताल, थाना- कालिया, जिला-नोरेल, जरीना सद्दाम मुल्ला राजापुर, थाना-कालिया, जिला- नोरेल, रकीब सद्दाम मुल्ला राजापुर, थाना-कालिया, जिला-नोरेल, जहांनारा सलीम शेख श्रीरामपुर, थाना-कालिया, जिला-नोरेल, इकबाल सलीम शेख श्रीरामपुर, थाना-कालिया, जिला-नरैल शामिल हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04826/04825 बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ड04 फेरे.

ट्रेन संख्या 04826 बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:45 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर और 30 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04825 जोधपुर - बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जोधपुर से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर और 29 अक्टूबर, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, फुलेरा, नवा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, रेन, मेड़ता रोड और गोटन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे। ट्रेन संख्या 04826 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 18 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज द्वारा सन्तोष कुमार झा 'राजभाषा सम्मान' से अलंकृत

मुंबई, 16 अक्टूबर। विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य अधिवेशन के दूसरे दिन नैनी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में स्थित जगतपिता ब्रह्मदेव धर्मशाला, देवरख में 'हिन्दी संगोष्ठी' एवं 'सम्मान समारोह' आयोजित किया गया, जिसमें कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा सुप्रसिध्द कवि सन्तोष कुमार झा को उनके नेतृत्व में किये जा रहे उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु 'राजभाषा सम्मान-2024' से गौरवान्वित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मंडलायुक्त डॉ. सुरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि संस्कृत और हिन्दी एक ही सांस्कृतिक परंपरा की भाषाएँ हैं। अंग्रेज़ी जानना आवश्यक है, पर हिन्दी की कीमत पर नहीं। विशिष्ट अतिथि डॉ. एन. बी. सिंह 'हरियाली गुरु' रहे। इस अवसर पर अनेक साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। उसी क्रम में, कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा प्रसिध्द कवि श्री सन्तोष कुमार झा को उनके नेतृत्व में किये जा रहे उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु 'राजभाषा सम्मान- 2024' से गौरवान्वित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री झा के चार काव्य संग्रह 'उन्मुक्त', 'सूरज का वारिस', 'फूल, कलम और बंदूक' तथा 'स्याही का सिपाही' प्रकाशित हो चुके हैं। अन्य सम्मानित साहित्यकारों में डॉ. वंदना अग्निहोत्री, डॉ. सीमा वर्मा, डॉ. विजयलक्ष्मी, रजनी प्रभा, फरहत, राणा प्रताप सहित अनेक विद्वान शामिल रहे। मंच संचालन डॉ. सीमा वर्मा एवं रश्मि चौबे ने किया तथा डॉ. गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया।

मध्य रेल

नागपुर मंडल

वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर : (कर्षण वितरण), मध्य रेल, नागपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी ठेकेदारोंसे डिजिटली हस्ताक्षरित ऑनलाइन, ओपन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **ई-निविदा सूचना क्रमांक: NGP-ELECT-TRD-2025-26-24, dated 13-10-2025. कार्य का नाम:** मध्य रेलवे के नागपुर मंडल पर ओएचई ओवरलाइन संरचनाओं (सुरंग/आरओबी/एफओबी /गर्डर ब्रिज) के तहत 25 केवी उच्च वोल्टेज इन्सुलेटेड कोटिंग का कार्य। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** Rs. 98,80,348/- (रु. अट्ठानबे लाख अस्सी हज़ार, तीन सौ अड़तालीस रुपये मात्र). **बयाना राशि:** Rs.1,97,600/- (रु. एक लाख, सत्तानबे हजार, छः सौ रुपये मात्र). **निविदा बंद होने की तारिख एवं समय: 07-11-2025 @ 15:00 Hrs वेबसाईट** - इस ई-निविदा की अधिक जानकारी तथा ई-टेंडरींग/ऑनलाइन भाग हेतु संपूर्ण सूचना रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है.

वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (टी.आर.डी.), मध्य रेल, नागपुर

APEX-244

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

रुचि की अभिव्यक्ति हेतु विज्ञापन

विषयः लोक स्वास्थ्य विभाग सत्रोग के अंतर्गत ई वार्ड में श्रेणी 'घ' में बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों को स्वैच्छिक संगठन के माध्यम से संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

लोक स्वास्थ्य विभाग सत्रोग के ई वार्ड में 'घ' श्रेणी के रिक्त पदों को स्वैच्छिक संगठनों (बचत समूहों को छोड़कर) के माध्यम से संविदा आधार पर भरने के लिए, केवल वे संगठन ही आवेदन करें जिन्हें बृहन्मुंबई नगर निगम कार्यालय में संविदा आधार पर बहुउद्देशीय कार्यकर्ता उपलब्ध कराने का 1 वर्ष का अनुभव हो। इच्छुक संगठन भविष्य निधि राज्य एवं कर्मचारी बीमा योजना में पंजीकृत श्रमिक सहकारी समितियाँ, सेवा सहकारी समितियाँ, बेरोजगार सेवा सहकारी समितियाँ, गैर-सरकारी संगठन (इन सभी संगठनों की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना होना चाहिए) आदि हैं। हम संगठनों से उनकी पात्रता सूची तैयार करने और लॉटरी के माध्यम से उनका चयन करने हेतु आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं।

आवेदन पत्र ई वार्ड सथरोग स्थित जन स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से 17/10/25 से 27/10/25 तक, समयः 10:30 से 03:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक संगठन अधिक जानकारी, आवेदन पत्र और शपथ पत्र के लिए ई वार्ड सथरोग स्थित जन स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। संगठन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 27/10/25, समयः 5:00 है। निर्धारित कार्यालय समय के बाद जमा किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रशासनिक अधिकारी,
(सथरोग ई वार्ड)

पीआरओ/1940/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

महाराष्ट्र अब 'क्वांटम कॉरिडोर' के नक्शे पर - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र ने 'क्वांटम कॉरिडोर' की स्थापना के लिए IONQ (अमेरिका) और स्कैंडियन एबी (स्वीडन) के साथ त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग के माध्यम से महाराष्ट्र को प्रौद्योगिकी के वैश्विक मानचित्र पर लाने के लिए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनियों, अमेरिका की IONQ और स्वीडन की स्कैंडियन एबी के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से, महाराष्ट्र अब क्वांटम कंप्यूटिंग के नक्शे पर आ रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आज के दौर में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग वैश्विक अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख स्तंभ बन गए हैं। महाराष्ट्र सरकार को 'क्वांटम कॉरिडोर' की स्थापना के लिए साझेदारी करने पर गर्व है। यह पहल राज्य और देश की अर्थव्यवस्था में आमूल-चूल

परिवर्तन लाएगी। सरकार इस यात्रा में हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और उद्योगों के निरंतर विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करेगी।

आयनक्यू, मैरीलैंड, अमेरिका, क्वांटम कंप्यूटिंग की एक अग्रणी कंपनी है और अपनी ट्रैप्ड-आयन तकनीक के लिए विश्व स्तर पर जानी जाती है। यह कंपनी अमेज़न वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट एज़्योर और गूगल क्लाउड जैसे क्लाउड प्लेटफॉर्म के माध्यम से क्वांटम सिस्टम तक पहुँच प्रदान करती है। आईओएनक्यू की तकनीक फार्मास्युटिकल अनुसंधान, लॉजिस्टिक्स, वित्तीय मॉडलिंग और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में गति, सटीकता और स्थिरता को बढ़ाती है। यह सहयोग महाराष्ट्र में डिजिटल परिवर्तन और उच्च तकनीक वाले रोज़गार सृजन के लिए महत्वपूर्ण होगा।

स्कैंडियन एबी, स्वीडन के गोथेनबर्ग स्थित एक कंपनी, इंजीनियरिंग, निर्माण, वित्त और औद्योगिक बुनियादी ढाँचे के विकास में सक्रिय है। स्कैंडियन एबी अपनी परियोजनाओं में क्वांटम-एन्हांस्ड ऑप्टिमाइज़ेशन, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और ऊर्जा दक्षता जैसी तकनीकों को शामिल करके टिकाऊ और स्मार्ट बुनियादी ढाँचा विकसित कर रही है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में उद्योग राज्य मंत्री इंद्रनील नाइक, उद्योग सचिव डॉ. पी. अंबाल्गन, उद्योग विकास आयुक्त दीपेंद्रसिंह कुशवाहा, अतिरिक्त विकास आयुक्त वैभव वाघमारे, साथ ही आईओएनक्यू के अध्यक्ष और वैश्विक सीईओ निकोलो डी. मासी, स्कैंडिनेवियाई एबी के निदेशक मंडल की सदस्य हन्ना फिलिपा गेरहार्डसन आदि उपस्थित थे।

साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है- मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता के बारे में जागरूक रहना अब केवल विलासिता नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता है। सांस्कृतिक कार्य एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा कि सरकार, प्रशासन और आम नागरिकों को इस संबंध में निरंतर अपडेट रहना आवश्यक है।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय द्वारा संयुक्त रूप से एक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाआईटी के प्रबंध निदेशक संजय काटकर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर) यशस्वी यादव, एनआईसी दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. राजेश कुमार पाठक, बार्क के वरिष्ठ वैज्ञानिक जीजी जोसेफ और एनआईसी महाराष्ट्र की सपना कपूर के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा कि डिजिटल क्रांति ने हमारे दैनिक जीवन और प्रशासनिक कार्यों में आमूल-चूल परिवर्तन लाए हैं। आज मंत्रालय में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर काम कर रहा है। इसलिए, साइबर सुरक्षा और हमारी ज़िम्मेदारियों के बीच सीधा संबंध है। कानून अज्ञानता के कारण हुई गलतियों को माफ़ नहीं करता। इसलिए, साइबर

सुरक्षा के बारे में अपडेट रहना ज़रूरी है।

भारत आज डिजिटल लेन-देन में दुनिया में अग्रणी है। हर कोई डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहा है। भारत आज सबसे ज़्यादा और सबसे सुरक्षित डिजिटल लेन-देन वाला देश बन गया है। लेकिन इस प्रगति के साथ, साइबर अपराधों की जटिलता और पैमाना भी बढ़ा है, मंत्री एडवोकेट शेलार ने कहा।

साइबर हमलों से बचाव के लिए न केवल तकनीकी कौशल, बल्कि सही मानसिकता भी विकसित करना ज़रूरी है। महाराष्ट्र सरकार ने 2016 से साइबर सुरक्षा के लिए एक सक्षम बुनियादी ढाँचा तैयार किया है। राज्य में 24 घंटे चलने वाला 'कमांड एंड कंट्रोल सेंटर', 'साइबर हेल्पलाइन' और 'मोबाइल ऐप' उपलब्ध हैं। साथ ही, एक 'टेक्नोलॉजी असिस्टेंट इन्वेस्टिगेशन यूनिट' और एक 'एआई आधारित डिटेक्शन' सिस्टम भी चालू है। मंत्री एडवोकेट शेलार ने गर्व से यह भी कहा कि महाराष्ट्र 'कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम' स्थापित करने वाला पहला राज्य बन गया है।

इस अवसर पर, मंत्री एडवोकेट शेलार ने डीपफेक तकनीक से उत्पन्न गंभीर खतरों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। डीपफेक न केवल पेशेवर, बल्कि व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन को भी नष्ट कर सकता है। इसलिए, उन्होंने कहा कि इसकी पहचान और रोकथाम के लिए सभी को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

पनंद सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए विधायकों की समिति को अधिकार- राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सरकार किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए कार्रवाई कर रही है और दिवाली से पहले लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न निर्णय लिए जा रहे हैं। 'बलिराजा शेत पनंद सड़क योजना' किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि पनंद सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए, विधायक की अध्यक्षता वाली विधानसभा क्षेत्र स्तरीय समिति को अधिकार प्रदान करने का प्रावधान किया जाएगा।

बलिराजा शेत पनंद सड़क योजना राज्य स्तरीय समिति की बैठक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रोजगार गारंटी योजना मंत्री भरत गोगावले, वित्त एवं योजना राज्य मंत्री एडवोकेट उपस्थित थे। आशीष जायसवाल, विधायक श्री संजय बनसोडे, सत्यजीत देशमुख, दिलीप बैंकर, सुमित वानखेड़े, हेमंत पाटिल, राजेश क्षीरसागर, विट्ठल लांगे, अभिमन्यु पवार, उमेश यावलकर, समीर कुणावर, राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव विकास खड़गे, ग्राम विकास विभाग के प्रधान सचिव एकनाथ दावले, विधायक रणधीर सावरकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि योजना के तहत बनने वाली सड़कों के निर्धारण का अधिकार विधानसभा क्षेत्र

स्तरीय समिति को दिया जाएगा। इसके लिए प्रावधान किए जाएंगे। यह समिति संबंधित एजेंसी को सड़क कार्यों की सूची उपलब्ध कराए। ये कार्य सीएसआर और विभिन्न विभागीय योजनाओं से उपलब्ध निधि से किए जाएंगे। एक अलग लेखा शीर्ष तैयार किया जाएगा। पणंद की सड़कों के निर्माण के लिए गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से भी काम किया जाएगा। इसके लिए सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

राजस्व मंत्री बावनकुले ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन हेतु विभिन्न एजेंसियों के बीच उत्तरदायित्व की सुस्पष्टता एवं समन्वय सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। इसका स्वरूप सरकार के निर्णयानुसार तय किया जाएगा।

रोजगार गारंटी योजना मंत्री गोगावले ने कहा कि इसका क्रियान्वयन ग्राम स्तर पर शुरू हो रहा है। इसके अनुसार, खेत एवं पनंद सड़कों का कार्य उच्च गुणवत्ता का हो, इसके लिए उपाय किए जाएँगे।

राज्य मंत्री एडवोकेट जायसवाल ने कहा कि बलिराजा शेत एवं पनंद सड़क अभियान में भी अच्छा कार्य किया जाना चाहिए। इस संबंध में पर्याप्त प्रावधान किए जा रहे हैं। बैठक में उपस्थित सदस्यों एवं विधायकों ने चर्चा में भाग लिया और बलिराजा शेत पनंद सड़क योजना के क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु विभिन्न मुद्दे उठाए। इस दौरान तकनीकी एवं कार्यकारी तंत्र की कार्यवाही के अनुसार अध्ययन समूह द्वारा तैयार की गई योजना पर चर्चा की गई।

सीएसआर निधि का उपयोग स्कूलों में सुविधाओं के लिए किया जाना चाहिए- स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य के एक लाख से अधिक स्कूलों में दो करोड़ से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। इन छात्रों को राष्ट्र प्रथम की अवधारणा पर आधारित गुणवत्तापूर्ण और आनंददायक शिक्षा प्रदान की जाती है। सरकार के माध्यम से स्कूलों में विभिन्न सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। इसके साथ ही, विभिन्न उद्योग सामाजिक उत्तरदायित्व निधि (सीएसआर) के माध्यम से भी सहयोग करते हैं। इस निधि का उपयोग स्कूलों और छात्रों की आवश्यकताओं के अनुसार सामंजस्य स्थापित करके किया जाना चाहिए, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने अपील की।

समाज के प्रति हमारे कुछ दायित्व होने की भावना के साथ, कई उद्योग सीएसआर निधि के माध्यम से स्कूलों और छात्रों के साथ सहयोग करते हैं। इस संबंध में सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से, स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षा परिषद के कार्यालय में आयोजित एक बैठक में विभिन्न उद्योगों के सीएसआर प्रमुखों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव रणजीतसिंह देओल, महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षा परिषद के राज्य परियोजना निदेशक संजय यादव, उपमुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव (वित्त एवं योजना) डॉ.

संतोष भोसले, स्कूल शिक्षा विभाग के उप सचिव तुषार महाजन सहित विभिन्न उद्योगों के सीएसआर प्रमुख उपस्थित थे।

राज्य सरकार विद्यार्थियों को केंद्र में रखकर विभिन्न योजनाओं और पहलों का क्रियान्वयन कर रही है। शिक्षकों के साथ-साथ स्कूलों में स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, अच्छी इमारतें, प्रयोगशालाएँ आदि सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। इसके साथ ही, विद्यार्थियों और स्कूलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यांजलि पोर्टल पर अधिक जानकारी प्रदान की जाती है। स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने उद्योगों से इन आवश्यकताओं पर विचार करने और विद्यार्थियों को अधिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु योगदान देने की अपील की।

प्रधान सचिव रणजीतसिंह देओल ने कहा कि उद्योगों के सहयोग से राज्य में सीएसआर निधि उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य के सभी स्कूलों और विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी 'यूडीआईएस' और केंद्र सरकार के 'विद्यांजलि' पोर्टल पर उपलब्ध है और उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस निधि का उपयोग स्कूलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सही जगह पर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों की माँग 'विद्यांजलि' पोर्टल पर दर्ज की जा रही है और उस जानकारी का उपयोग सीएसआर के उचित नियोजन के लिए किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 'गोद लिए गए स्कूल योजना' की घोषणा की है और यदि उद्योग इस माध्यम से स्कूलों को गोद लेते हैं, तो स्कूलों के नाम के साथ उद्योग का नाम जोड़ा जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से राज्य में स्कूली शिक्षा की वर्तमान स्थिति, सीएसआर द्वारा की जा रही गतिविधियाँ, किन गतिविधियों में सहयोग की आवश्यकता है आदि के बारे में जानकारी दी गई। इसी प्रकार, सीएसआर प्रमुखों ने उन क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जिनमें वे काम करना चाहते हैं। सभी सीएसआर प्रमुखों ने सीएसआर प्रमुखों को एक मंच पर लाने और निधियों के उचित उपयोग के लिए विचारों के आदान-प्रदान के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे और सरकार का आभार व्यक्त किया।

प्रोजेक्ट मुंबई और माइंडस्पेस आरईआईटी ने नवी मुंबई नगर निगम के साथ मिलकर नवी मुंबई को प्लास्टिक मुक्त बनाया

200 से ज़्यादा स्थानों पर 2 लाख नागरिकों को शामिल करके प्लास्टिक और ई-कचरे को रीसायकल करने और कचरे को सार्वजनिक उपयोग की सामग्री में बदलने की एक अभिनव पहल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

स्थायी शहरी जीवन को बेहतर बनाने के लिए, नवी मुंबई नगर निगम ने प्रोजेक्ट मुंबई के सहयोग से 'नवी मुंबई प्लास्टिक और ई-कचरा रीसाइकलथॉन' नामक एक अभिनव पहल शुरू की है। माइंडस्पेस बिज़नेस पार्क (माइंडस्पेस आरईआईटी) ने इस पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जिसका उद्देश्य अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति के अनुरूप प्लास्टिक और ई-कचरे पर अंकुश लगाना और सर्कुलर प्रोसेसिंग विधियों को बढ़ावा देना है।

नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने प्रोजेक्ट मुंबई के सीईओ श्री शिशिर जोशी और माइंडस्पेस आरईआईटी के सीईओ श्री रमेश नायर के साथ आज एक बैठक की और भविष्य में प्लास्टिक मुक्त नवी मुंबई के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रीसाइकलथॉन पहल के कार्यान्वयन पर चर्चा की। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्लास्टिक की बोतलों से बनी एक आकर्षक टी-शर्ट का भी अनावरण किया गया।

रीसाइकलथॉन पहल का उद्देश्य दैनिक जीवन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना और जागरूकता पैदा करना है। इस पहल के तहत, 200 से अधिक स्थानों पर इस पहल को लागू करके 2 लाख से अधिक नवी मुंबईवासियों को कवर किया जाएगा। विभिन्न हाउसिंग सोसाइटियों, कॉर्पोरेट्स, स्कूलों और धर्मार्थ संगठनों के सहयोग से, 'नो वेस्ट टू लैंडफिल' इस पहल के माध्यम से इस लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा और इस प्रकार नवी मुंबई शहर को भारत में सतत शहरी विकास के एक मॉडल के रूप में अग्रणी स्थान दिलाया जाएगा।

इस पहल के तहत, एकत्रित प्लास्टिक और ई-कचरे का उपयोग बेंच, प्लांटर्स, वॉकिंग ट्रैक और स्कूल की आपूर्ति जैसी वस्तुओं और सामग्रियों को बनाने के लिए किया जाएगा और प्लास्टिक को रीसायकल किया जाएगा। इसके माध्यम से, कम करें, पुनः उपयोग करें और रीसायकल करें के 'तीन आर' सिद्धांत को व्यवहार में लाया जाएगा।

इस अभियान का एक महत्वपूर्ण घटक 'जीरो वेस्ट गार्डन' का निर्माण है। इसके तहत, पूरी तरह से पुनर्चक्रित प्लास्टिक कचरे से निर्मित सुविधाओं वाले उद्यान विकसित किए जाएँगे, जिससे शहर के सौंदर्यीकरण का एक नया प्रतिमान स्थापित होगा।

नवी मुंबई के विशाल समुद्र तट के कारण, तटीय और मैंग्रोव की सफाई और प्लास्टिक संग्रहण अभियानों के साथ-साथ पूरे वर्ष कई जागरूकता अभियान चलाए जाएँगे। ऐरोली स्थित दो माइंडस्पेस बिज़नेस पार्कों के कर्मचारी, स्थानीय स्वयंसेवक और छात्र इसमें सक्रिय रूप से भाग लेंगे। यह स्वच्छता और प्लास्टिक-मुक्ति अभियान नवी मुंबई के पर्यावरण को एक नया आयाम देगा।

नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने विश्वास व्यक्त किया कि नवी मुंबई को प्लास्टिक-मुक्त शहर बनाने के लिए प्रोजेक्ट मुंबई के सहयोग से नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा रीसाइकलथॉन अभियान नवी मुंबई के स्वच्छता और प्लास्टिक-मुक्ति अभियान को एक नई गति प्रदान करेगा। उन्होंने इस पहल के लिए माइंडस्पेस आरईआईटी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग और नागरिकों के सहयोग से, नवी मुंबई शहर देश में सबसे अधिक पर्यावरण-अनुकूल शहर बनकर उभरेगा।

प्रोजेक्ट मुंबई के सीईओ और सह-संस्थापक श्री शिशिर जोशी ने कहा कि यह पहल कचरे को अवसर में बदलने के बारे में है और हम नागरिकों के सहयोग से बेकार वस्तुओं को सार्वजनिक उपयोग की संपत्ति में परिवर्तित करके अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इसके माध्यम से पर्यावरण के लिए हानिकारक प्लास्टिक के विरुद्ध एक सशक्त आंदोलन उभरेगा।

माइंडस्पेस आरईआईटी के सीईओ श्री रमेश नायर ने नवी मुंबई जैसे देश के सर्वश्रेष्ठ आधुनिक शहरों में से एक में व्यवसाय करने पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि माइंडस्पेस शहर के प्रति अपने कर्तव्य की भावना को बनाए रखते हुए इसमें सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि रीसाइकलथॉन पहल भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक माध्यम है और इसमें भागीदारी नवी मुंबई के पर्यावरणवाद को एक नई गति प्रदान करेगी।

चूँकि यह शहर स्वच्छता के मामले में निरंतर अग्रणी रहा है, इसलिए इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में, नवी मुंबई नगर निगम को देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहरों की नव निर्मित सुपर स्वच्छ लीग श्रेणी में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान से भी ऊपर स्थान दिया गया है। प्रोजेक्ट मुंबई के माध्यम से और माइंडस्पेस आरईआईटी के सहयोग से कार्यान्वित रीसाइकलथॉन पहल, स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त नवी मुंबई शहर के लिए एक सफल सकारात्मक कदम है, जो नवी मुंबई शहर को सतत पर्यावरण-अनुकूल विकास की दिशा में आगे ले जाएगा।

नवी मुंबई में झगड़े के बाद 15 साल की लड़की ने की आत्महत्या, दो महिलाएं गिरफ्तार

नवी मुंबई के रबाले में 15 वर्षीय एक लड़की को आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के आरोप में बृहस्पतिवार को दो महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि लड़की ने बुधवार को तलावलीगांव में आत्महत्या कर ली, जिसके बाद उसके पिता ने पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा, हमने सहायिका रेशमा गावंदे (42) और रियल एस्टेट एजेंट मयूरी नाइकवाड़ी (40) को गिरफ्तार किया है। वे घनसोली में एक ही इमारत में रहती हैं। हमारी जांच के अनुसार, पीड़िता और गावंदे की बेटी के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों को गावंदे के घर बुलाया गया, जहां दोनों आरोपियों ने पीड़िता के साथ दुर्व्यवहार किया और उसे थप्पड़ मारे।

अधिकारी ने बताया, लड़की घर वापस आई और उसने अपनी जान दे दी। हमने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 107(3) (किसी बच्चे या नासमझ

व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के लिए युद्धस्तर पर कार्य करें- लोक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर

मुंबई। स्वास्थ्य सेवा लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा एक संवेदनशील मुद्दा है। इस सेवा को तत्पर रखना स्वास्थ्य व्यवस्था में कार्यरत सभी लोगों की ज़िम्मेदारी है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने आज स्पष्ट निर्देश दिए कि इस व्यवस्था में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी बेहतर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करें।

लोक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने नियमित और संविदा सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों के नियमित वेतन की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य सेवा आयुक्त कादंबरी बलकवड़े, निदेशक (लेखा) अभिजीत पाटिल सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राज्य के स्वास्थ्य उपनिदेशक, जिला शल्य चिकित्सक और जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

राज्य के आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं और पहलों को क्रियान्वित कर रही है। इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए, सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाले संविदा डॉक्टरों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान निर्धारित समय के भीतर किया जाना चाहिए। लोक स्वास्थ्य मंत्री अबितकर ने चेतावनी दी कि इन डॉक्टरों और कर्मचारियों के वेतन में देरी या कुप्रबंधन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री अबितकर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत सभी डॉक्टरों, अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित समय के भीतर वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए। समय पर वेतन का भुगतान न होना एक गंभीर मामला बताते हुए, मंत्री अबितकर ने कहा कि संविदा सेवा में कार्यरत डॉक्टरों, अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान कम से कम महीने की 7 तारीख तक किया जाना चाहिए।

खेल नीति में 'एक खेल, एक संगठन' को प्राथमिकता दें- मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। वैश्विक स्तर पर राष्ट्र की उत्कृष्टता प्राप्त करने, खेलों को बढ़ावा देने, आर्थिक एवं सामाजिक विकास के साथ-साथ खेल आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए, केंद्र सरकार ने खेलो इंडिया नीति 2025 तैयार की है। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे ने इसी नीति के अनुरूप राज्य खेल नीति तैयार करने हेतु एक समिति गठित करने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसमें एक खेल और एक संगठन को प्राथमिकता के आधार पर शामिल किया जाना चाहिए। राज्य की खेल नीति तैयार करने की प्रक्रिया की समीक्षा के लिए मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर विधायक संजय बनसोडे, विधायक विजयसिंह पंडित, आयुक्त शीतल तेली, उप सचिव सुनील पंधारे और स्काउट गाइड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। खेल मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे ने कहा कि खेल नीति में प्राथमिक और माध्यमिक स्कूली शिक्षा में खेल गतिविधियों को शामिल किया जाना चाहिए, स्कूल और जिला स्तर की खेल प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तर्ज पर बचपन से ही शारीरिक शिक्षा के प्रति प्रेम पैदा करने वाली गतिविधियों को लागू किया जाना चाहिए, खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए, खेल प्रोत्साहन संगठन बनाए जाने चाहिए, आदि। साथ ही, विधायक, एथलीट, कुशल एथलीट, कोच, संगठनों के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, पत्रकार, खेल विशेषज्ञ खेल नीति समिति में शामिल किए जाने चाहिए। साथ ही, खिलाड़ियों को ऑनलाइन आमंत्रित किया जाना चाहिए, यह भी मंत्री एडवोकेट कोकाटे ने सुझाव दिया।

सम्पादकीय

भारत में गूगल का निवेश मुनाफे का सौदा, पैदा होंगी करीब 2 लाख नौकरियां

अमेरिका की वीजा नीति और ट्रंप शुल्क से कारोबारी रिश्तों में दबाव के बीच गूगल की भारत में निवेश की घोषणा अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बड़ी रणनीतिक सफलता है। विशाखापत्तनम में कृत्रिम मेधा का बड़ा केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए गूगल समूह पांच साल में 1.33 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कृत्रिम मेधा के बढ़ते वैश्विक बाजार में यह निवेश इस बात को रेखांकित करता है कि कारोबार सुगमता के लिहाज से भारत वैश्विक स्तर पर पसंदीदा बना हुआ है।

भारत के पास विशाल उपयोगकर्ता आधार है। स्पष्ट है कि आर्थिक कूटनीति के लिहाज से यह परियोजना भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूती प्रदान करेगी। तकनीकी ताकत भी बढ़ेगी। इस निवेश की घोषणा के बाद गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया पर जो लिखा, उससे कई सार्थक संकेत मिले हैं। पिचाई के मुताबिक, निवेश से भारत में 1.83 लाख नई नौकरियां पैदा होंगी। विशाखापत्तनम के कृत्रिम मेधा परिसर की शुरूआती क्षमता एक गीगावाट से कई गीगावाट तक जाएगी। यह परिसर गूगल का अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा कृत्रिम मेधा केंद्र बनेगा, जो भारत को वैश्विक तकनीकी के मानचित्र पर और मजबूत करेगा। कई स्तरों पर इसके दूरगामी नतीजे होंगे।

निस्संदेह, जिस तेजी से कृत्रिम मेधा क्षेत्र का विस्तार हो रहा है और अमेरिका तथा चीन जैसे मुल्क इसमें बढ़त लिए हुए हैं, उसे देखते हुए भारत को ऐसे निवेश और तकनीकी सहयोग की बहुत आवश्यकता है। यह कमी गूगल के निवेश से पूरी हो गई है। गूगल उसी देश की कंपनी है, जहां के राष्ट्रपति ने भारत पर शुल्क लगा कर दबाव बनाने की कोशिश की है।

वे खुल कर कह चुके हैं कि वे नहीं चाहते, अमेरिकी कंपनियां भारत में निवेश करें या निर्माण संयंत्र लगाएं। वे धमकी तक दे चुके हैं। एप्पल कंपनी के मुख्य कार्यकारी टिम कुक को दी गई भारी शुल्क लगाने की धमकी की यादें ताजा हैं। लगता नहीं है कि धमकियों के बावजूद एप्पल व अन्य ने भारत से काम समेटा।

दरअसल, आने वाले दिनों में तकनीक के स्तर पर भारत चिप और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका की योजना बना रहा है। इसके लिए मजबूत नीतियां तैयार की गई हैं और बड़ी कंपनियों से वैश्विक स्तर पर गठबंधन किए हैं। दूसरे, भारत की ताकत उसका बड़ा मध्यवर्ग है। अमेरिकी कंपनियां हमेशा की तरह भारत के इस बड़े बाजार को देख रही हैं। हर स्तर पर भारत मुनाफे का बाजार है। तभी एप्पल और गूगल जैसी कंपनियां भारत में अरबों रुपए का निवेश कर रही है। अगर एप्पल के कमाई के आंकड़े को देखें, तो कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024 में भारत से 67, 100 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वर्ष से 36 फीसद अधिक है।

कंपनी का मुनाफा बढ़ कर 2746 करोड़ हो गया है। टेस्ला ने भी भारतीय बाजार को देखते हुए यहां कदम रखा है। अब गूगल ने बड़ा निवेश किया है। गूगल के इस निवेश से वैश्विक निवेशकों को यह संदेश अवश्य गया होगा कि भारत इस लिहाज से दुनिया के सबसे सुरक्षित देशों में से एक है। वे तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत पर भरोसा कर सकते हैं।

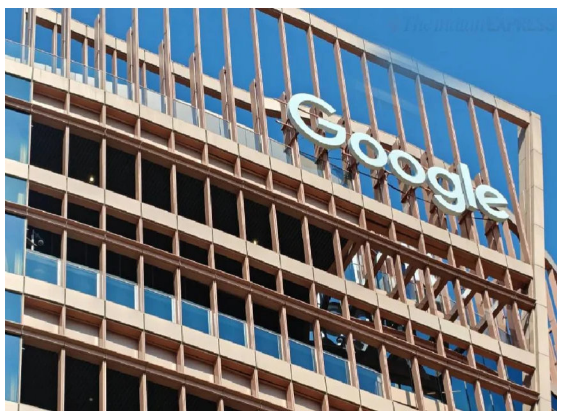

भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना आर्थिक तरक्की में बाधक

अमेरिका की ओर से थोपे गए शुल्क से अब तक अनिश्चिता बनी हुई है। फिर भी बीते कुछ दिनों में देश के घरेलू बाजार में विभिन्न उत्पादों की खपत में हुई बढ़ोतरी से यह बात जरूर साफ हुई है कि भारत घरेलू मोर्चे पर वैश्विक अस्थिरता के दबाव को सहने में सक्षम हो गया है। वर्ष 2017 से चली आ रही जीएसटी की दरों में कमी के कारण यह उम्मीद बनी है कि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। इन दरों में कमी की जब घोषणा की गई, तो सभी ने यही समझा कि पहले की दरें वास्तव में अधिक थीं और अब इनमें कमी से आम आदमी को जरूर राहत मिलेगी। दिवाली का त्योहार अधिक से अधिक खरीदारी के लिए जाना जाता है।

इस बार भी खरीदारी को लेकर जोश दिख रहा है। जब जीएसटी दरों में सरकार ने कमी की, तो इसे देश की अर्थव्यवस्था के आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलने की बात कही गई। इस पर वैश्विक चर्चा हर भारतीय को संतोष देगी। मगर इसका विश्लेषण कई सवाल भी खड़े करता है। इस बात की भी सुगबुगाहट है कि सरकार आर्थिक नीतियों में सुधार मात्र सतही स्तर पर ही कर रही है। बुनियादी परिवर्तन अभी भी नहीं हुआ है। यह भी विचारणीय है कि आर्थिक नीतियों में सतही सुधारों से अल्पकालीन फायदे ही होने हैं। डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी गरीब है, क्या यह उसके लिए ठीक है?

संतोष इस बात का भी है कि जब घरेलू बाजार में खपत इतनी बढ़ रही है, तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिलेगा। इसके

अलावा जीएसटी दरों में कमी के बाद से स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी बढ़ाने का लक्ष्य भी प्रमुखता से दिख रहा है। मगर क्या आर्थिक नीतियों में इस बात पर भी जोर है कि स्वदेशी सामानों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता के साथ घरेलू बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा? अभी तक इस पक्ष पर चुप्पी छाई है। विश्व की एक बड़ी मोबाइल कंपनी का नया उत्पाद बीते दिनों भारतीय बाजार में बड़ी मांग के साथ चर्चा में रहा।

यह भी एक परिदृश्य है। लिहाजा इस बात को अब एक नए सिरे से समझने की आवश्यकता है कि अमेरिका के थोपे गए शुल्क से भारतीय निर्यात को तो घाटा हो रहा है, लेकिन विदेशी उत्पादों की घरेलू बाजार में अत्यधिक पकड़ क्या आत्मनिर्भर भारत बनने के संकल्प के लिए एक चुनौती नहीं है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। क्योंकि भारतीय बाजार में विदेशी उत्पाद के दबदबे को कम किए बिना तस्वीर नहीं बदलेगी।

यह सोचना भी गलत होगा कि जीएसटी दरों में हुई कमी से इस समय केवल भारतीय बाजार को ही मुनाफा मिल रहा है। बाजार में तो अरसे से विदेशी उत्पादों की गहरी पकड़ है। इनमें इलेक्ट्रानिक सामान, वाहन और घरेलू साज-सज्जा इत्यादि का वर्चस्व अधिक है। इसलिए यह प्रश्न भी सामने है कि दरों में हुई कटौती से जहां एक तरफ सरकार ने अपने राजस्व में बहुत बड़ी कमी की है, तो इससे क्या आने वाले वित्तीय बजट में पूंजीगत व्यय पर प्रभाव नहीं पड़ेगा? वैश्विक स्तर पर भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। लगभग चार ट्रिलियन डालर की हैसियत रखते हुए वह अपने कदम आगे की ओर बढ़ा रहा है। इस बात से विकसित देशों को डर है। क्योंकि भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत है, जिसे विश्व के सभी विकसित देश अपनी पहुंच में रखना चाहते हैं।

इन सब के बीच अगर भारत आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को स्वदेशी उत्पादों की खपत से मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो जाता है, तो सभी विकसित देशों के इरादे पर यह एक तीखा प्रहार होगा। सरकार इस उद्देश्य की तरफ बढ़ती दिख भी रही है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम इस बात की पुष्टि भी करते हैं। अप्रैल से जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष की पहली तिमाही से एक फीसद से अधिक थी। इसी कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक वृद्धि दर बढ़ा कर 6.8 फीसद कर दी है। स्पष्ट है कि सरकार की आर्थिक नीतियों और केंद्रीय बैंक में बेहतर समन्वय है।

इन सब के बीच भारत की आर्थिक तरक्की में कुछ बाधाएं भी हैं। इनमें सबसे मुख्य निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बजट में लगातार पूंजी निवेश को अपने स्तर पर बढ़ा कर उन्हें प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया है। ऐसी दशा में क्या आर्थिक प्रगति और वार्षिक स्थिरता घरेलू बाजार की खपत के माध्यम से ही निर्देशित करना उचित है? क्या यह समझना नहीं होगा कि घरेलू बचत को बढ़ाना भी एक मुख्य लक्ष्य होना चाहिए था, जो हाल के दिनों में जीएसटी में कटौती से हुई बचत के बाद त्योहारी खर्च में बदल गई। हालांकि इससे मुनाफा अंततः किसी और को ही हो रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्तमान में भारत में शुद्ध घरेलू बचत लगभग पांच फीसद के आसपास ही है। विडंबना यह भी है कि आज भारतीय निवेशक के पास घरेलू बाजार में विकल्प लगातार कम होते जा रहे हैं। बैंक दरों में लगातार कटौती हो रही है। आर्थिक नीतियों का प्रत्यक्ष इशारा घरेलू बचत के लिए पूंजी बाजार के विकल्प की ओर है।

भारतीय पूंजी बाजार ने पिछले एक वर्ष में पांच फीसद के आसपास का ही मुनाफा दिया जैसा कि बीएसई सूचकांक और निफ्टी में बीते वर्ष में दर्ज हुआ है। एक विमर्श यह भी है कि पूंजी बाजार में वित्तीय निवेश भारतीय बैंकों की तुलना में अधिक जोखिम भरा है क्योंकि इससे हमेशा अनिश्चितता रहती है। एक बात और अधिक ताज्जुब करने वाली है कि भारतीय कंपनियों का वित्तीय निवेश विदेश में तेजी से बढ़ रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसद बढ़ कर 36 अरब डालर तक पहुंच गया।

एक पक्ष यह भी अहम है कि जीएसटी दरों में हुई कमी से उत्पादों के विक्रय मूल्य जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या संबंधित निर्माताओं ने अपने मुनाफे को कम किया है? बहरहाल, एक संतोषजनक बात देखने को मिली है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक एसबीआइ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ एमएसएमई के लिए वित्तीय ऋण को अब डिजिटल माध्यम से शुरू कर दिया है और इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवेदन करने के 45 मिनट के भीतर ऋण की मंजूरी मिल रही है। बैंक इस संदर्भ में आयकर रिटर्न, जीएसटी रिटर्न और बैंक विवरण जैसे प्रामाणिक आंकड़ों को आनलाइन मंच से ही मूल्यांकन कर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। अगस्त 2025 में एसबीआइ ने ऐसे 2, 25000 उद्यमों को वित्तीय सुविधा दी। निश्चित तौर पर इससे इन उद्यमों की वित्तीय तरलता बढ़ेगी और ये भारत के उत्पादन क्षेत्र के लिए अच्छी खुशखबरी भी है।

पसंद और नापसंद की होड़ से परे है मानव जीवन, योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं

मनुष्य का जीवन केवल क्रिया-प्रतिक्रियाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह एक चेतन अवधान का विस्तार है। पर आज के समय में हम देखते हैं कि जीवन के अधिकतर निर्णय पसंद और नापसंद के खांचों में ढाले जाते हैं। लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करूंगा या मुझे वह नापसंद है, इसलिए उससे दूर रहूंगा।' इस अभिव्यक्ति के पीछे जो भाव छिपा है, वह स्वतंत्रता का भ्रम है। पर क्या यह सचमुच स्वतंत्रता है? क्या यह सच में हमारी चेतन प्रवृत्ति का प्रतीक है? नहीं, यह तो कहीं अधिक गहरी मानसिक बेड़ियों की जकड़न है- अदृश्य, किंतु कठोर।

हम यह मान बैठे हैं कि जिसे मैं पसंद करता हूं, वही सही है और जिसे नापसंद करता हूं, वह त्याज्य है। इस द्वैत ने हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में इतनी गहरी पैठ बना ली है कि आज लगभग हर संघर्ष, हर मनमुटाव, हर युद्ध का मूल कारण व्यक्ति विशेष की पसंद-नापसंद ही बन गई है। घर की दीवारों से लेकर राष्ट्र की सीमाओं तक, धर्म की परिधियों से लेकर विचारधाराओं के संघर्षों तक, हर स्थान पर यह द्वंद्व व्याप्त है। विडंबना यह है कि हम इसे स्वाभाविक मान बैठे हैं।

पसंद-नापसंद की यह प्रवृत्ति उस सोच का हिस्सा है, जो सीमित है, पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है और दूसरों की अपेक्षाओं या अपनी आदतों के अधीन चलती है। जब हमारा मस्तिष्क एक सीमित परिधि में बंद होता है, तब हमारी दृष्टि स्पष्ट नहीं रहती। हम वही देखते हैं, जो हमारी इच्छा देखना चाहती है, हम वही सुनते हैं, जो हमारे मानस को भाता है। ऐसे में जो आवश्यक है, वह हमारे ध्यान से ओझल हो जाता है।

अक्सर हम यह कहते हैं कि 'मैं स्वतंत्र हूं, इसलिए मैं अपने मन की करूंगा', तो यह वास्तव में स्वाधीनता नहीं है। मन को हमने इतना अधिक तूल दे दिया है कि अब वह हमारे विवेक का स्थान लेने लगा है। हम किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति को केवल इसलिए स्वीकार करते हैं कि वह हमें अच्छा लगता है, और किसी को नकारते हैं, क्योंकि वह हमारी पसंद के अनुसार नहीं है। मगर चेतना वहां प्रकट होती है, जहां व्यक्ति यह समझ पाता है कि किसी परिस्थिति में 'क्या आवश्यक है', न कि केवल 'क्या मुझे अच्छा लगता है।'

इस मानसिक स्थिति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि हम अपने भीतर एक सतत टकराव की स्थिति में रहने लगते हैं। हमें जीवन से शिकायतें होती हैं, लोग अच्छे नहीं, समाज गिरा हुआ, रिश्ते बेमानी, धर्म बंटे हुए, राजनीति भ्रष्ट, लेकिन हम यह नहीं देख पाते कि इन सबके मूल में हमारी अधूरी चेतना और सीमित सोच ही है। जब हम केवल अपनी पसंद के दायरे में जीते हैं, तो हमारी दृष्टि व्यापक नहीं रह जाती। फिर जो हमारे दायरे में नहीं आता, वह हमें या तो शत्रु प्रतीत होता है या उपेक्षणीय। यहीं से शुरू होता है झगड़ों का सिलसिला- घर में, समाज में, और अंततः अंतरात्मा में। भारतीय योग परंपरा ने इस भीतर की पराधीनता को बहुत गहराई से देखा है। योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं है, बल्कि चेतना की वह ऊर्ध्व यात्रा है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की ग्रंथियों से मुक्त करती है। योग कहता है कि जब तक हम अपनी चेतना के तल पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकते, क्योंकि जो व्यक्ति भीतरी पराधीनता से मुक्त नहीं है, वह बाहरी आजादी का मूल्य ही नहीं समझ सकता। उसे स्वतंत्रता केवल एक व्यक्तिगत अधिकार लगती है, जबकि सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता वह अवस्था है, जहां व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर पूर्ण विवेक के साथ निर्णय लेता है। जहां वह परिस्थिति को उसके संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में देख सकता है, न कि केवल अपनी रुचि और अरुचि की झील में डूबते-उतराते हुए।

पसंद और नापसंद की होड़ से बाहर निकलने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब तक अपने ही बनाए हुए मानसिक जाल में उलझे रहे हैं। एक सजग और संवेदनशील व्यक्ति ही यह देख सकता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है, क्या उचित है और क्या अनावश्यक। वह अपनी पसंद को तब भी स्थगित कर सकता है, जब परिस्थिति किसी अन्य दिशा की मांग कर रही हो। जागरूकता वह दृष्टि देती है, जिससे हम न केवल वस्तुओं को, बल्कि अपने मन की गति को भी देख सकते हैं। यह वह दर्पण है, जिसमें हमारी प्रतिक्रियाओं की छाया स्पष्ट होती है। यह वह ध्वनि है, जो हमारे अंतर से कहती है, 'जो पसंद है, वह जरूरी नहीं कि सही हो; और जो नापसंद है, वह अनावश्यक नहीं।'

जीवन की गति जब मात्र इच्छाओं की पूर्ति और नापसंद से बचाव में बीत जाती है, तब उसका सौंदर्य लुप्त हो जाता है। मगर जब हम अपनी चेतना को इतना विकसित कर लेते हैं कि हम परिस्थिति को उसके व्यापक स्वरूप में देख सकें, तब जीवन एक कला बन जाता है- विवेक, संतुलन, करुणा और न्याय की।

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

एक लाख एकल शिक्षक स्कूलों की त्रासदी से त्रस्त शिक्षातंत्र

भारत में आज भी कई सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बच्चे सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे सभी विषय पढ़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के साल 2024-25 के आधिकारिक डेटा के मुताबिक देश के कुल 1, 04, 125 स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाओं एवं सभी विषयों को पढ़ा रहे हैं। यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता ही नहीं रहा है बल्कि चिन्ताजनक स्थिति को बयां कर रहा है। ये आंकडे हमारे शैक्षणिक विकास पर एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। 'शिक्षा किसी राष्ट्र की आत्मा होती है।' स्वामी विवेकानंद का यह वाक्य आज भारत की शिक्षा व्यवस्था पर एक कसक बनकर उभरता है। जब शिक्षा की आत्मा घायल होती है तो राष्ट्र का शरीर कभी स्वस्थ नहीं रह सकता।

शिक्षा मंत्रालय के ये हालिया आंकड़े बताते हैं कि एकल शिक्षक स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाना एक भ्रष्टाचार ही है। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? एकल शिक्षक स्कूलों का परिदृश्य भारत के विकास की पौल खोलने वाला है। भले ही एकल शिक्षक स्कूलों में पिछले वर्ष की तुलना में 6 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई हो, फिर इतनी बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों का होना हमारी शिक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी को ही उजागर कर रहा है। यह स्थिति किसी एक आंकड़े की नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की गहरी त्रासदी की तस्वीर है।

कल्पना कीजिए-एक शिक्षक जो प्रशासनिक काम भी करता है, मिड-डे मील की निगरानी भी करता है और साथ में सभी कक्षाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभाता है। क्या वह शिक्षक शिक्षक रह जाता है या व्यवस्था का बोझ उठाने वाला मज़दूर बन जाता है? इन बच्चों की शिक्षा कैसी होगी, जिनके लिए ज्ञान का एकमात्र द्वार ही थकान, उपेक्षा और तंगहाली से भरा है? यह संकट केवल ग्रामीण भारत तक सीमित नहीं है। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी सैकड़ों स्कूल ऐसे हैं जहाँ विषय विशेषज्ञों की कमी, प्रयोगशालाओं की अनुपस्थिति और शिक्षण संसाधनों का अभाव है। नई शिक्षा नीति 2020 समग्र शिक्षा की बात करती है, लेकिन जब आधारभूत ढाँचा ही अपूर्ण हो तो नीतियाँ केवल दस्तावेज़ बनकर रह जाती हैं। हम 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना कर रहे हैं, पर क्या एकल शिक्षक स्कूलों की यह स्थिति उस दिशा में कोई सार्थक कदम का संकेत है?

यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहाँ से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर 'नया भारत', 'विकसित भारत' और 'विश्वगुरु भारत' के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, 'यदि हमें भारत को पुनः महान बनाना है, तो शिक्षा को पुनः मानवीय बनाना होगा।' आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं।

सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली इन गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं और ऐसी बीमार बुनियाद पर खड़ा राष्ट्र कैसे स्वस्थ, सक्षम एवं उन्नत होगा?

शिक्षा के प्रति यह उपेक्षा हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है। कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों का होना देश के नीति-निर्माताओं एवं नायकों के लिये शर्म का विषय होना चाहिए।

अजय राय ने गृह मंत्री को लिखा पत्र आरएसएस पर पाबंदी लगाने की मांग की

बलिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमेशा से ''देश-विरोधी गतिविधियों'' में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उस पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। राय ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह भी आरोप लगाया कि संघ महात्मा गांधी की हत्या और देश को बांटने के लिए जिम्मेदार है।

राय ने कहा, ''संघ हमेशा से देश-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहा है। महात्मा गांधी की हत्या के पीछे इसी संगठन का हाथ था और इसने देश को बांटने का भी काम किया। यह संगठन गलत कार्यों में शामिल है और उस पर प्रतिबंध लगना चाहिए।'' कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष ने बताया कि उन्होंने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर संघ पर पाबंदी लगाने की मांग की है। केरल में एक युवक की कथित आत्महत्या के मामले का जिक्र करते हुए राय ने आरोप लगाया, ''26 साल के संघ प्रशिक्षित आनंदू नाम के एक युवक ने अपने सुसाइड नोट में संघ के वरिष्ठ नेताओं पर यौन शोषण का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा, ''इससे पता चलता है कि संघ के अंदर किस तरह का मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न होता है।'' बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए राय ने दावा किया कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन एकजुट है और बिहार में चुनाव के बाद सरकार बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''इंडिया गठबंधन बिहार में मजबूती से चुनाव लड़ रहा है और वह सरकार बनाएगा।'' राय ने भाजपा पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत अपने साथियों को धोखा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, ''भाजपा ने हमेशा अपने साथी दलों के साथ खेल खेला है। उसने ओडिशा में बीजू जनता दल को खत्म किया, महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ गलत किया और अब बिहार में नीतीश कुमार के साथ भी ऐसा ही कर रही है। भाजपा की नीति अपने सहयोगियों को एक-एक करके खत्म करने की है।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या कांग्रेस बिहार विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र में सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमार की मदद लेगी, तो उन्होंने कहा, ''हम तब हालात देखेंगे। अभी हम मजबूती से और एकजुट होकर लड़ रहे हैं।

मौलाना तौकीर रजा खान के साथी अफजल बेग ने किया सरेंडर, कोर्ट ने भेजा जेल

बरेली। इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के निजी सहायक एवं 26 सितंबर की हिंसा के मामले में वांछित आरोपी अफजल बेग ने अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 15, 000 रुपये का इनामी अफजल बेग, बुधवार को अपने वकील और कुछ साथियों के साथ अदालत में पेश हुआ और आत्मसमर्पण कर दिया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, सिविल लाइंस क्षेत्र के विहारीपुर निवासी बेग पहले आईएमसी की पुरानी कमेटी में पदाधिकारी था और मौलाना तौकीर रजा तथा पार्टी के प्रवक्ता डॉ. नफीस के साथ लंबे समय तक रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बताया कि बेग 26 सितंबर को शहर में हुई हिंसा से जुड़े मामले में वांछित था। उन्होंने बताया कि जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उसकी

गिरफ्तारी पर 15, 000 रुपये का इनाम घोषित किया गया और किला थाना प्रभारी सुभाष सिंह को उसे पकड़ने का निर्देश दिया गया।

किला थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि पुलिस को पहले से जानकारी थी कि बेग आत्मसमर्पण कर सकता है, इसलिए अदालत परिसर के बाहर एक टीम तैनात की गई थी। बावजूद इसके, वह अपने वकील की मदद से चुपचाप अदालत के अंदर जाकर आत्मसमर्पण करने में सफल रहा। सिंह ने यह भी बताया कि बेग बारादरी थाना क्षेत्र में दर्ज दंगे के एक अन्य मामले में भी वांछित है और वहां की पुलिस पूछताछ के लिए उसकी रिमांड मांग सकती है।

एसएसपी आर्य ने बताया कि पुलिस जल्द ही अन्य फरार आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने के लिए अदालत जाएगी। उन्होंने बताया कि अगर आरोपी स्वयं प्रस्तुत नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ इनाम की राशि बढ़ाई जा सकती है और अदालत की मंजूरी से उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है। बरेली में 26 सितंबर को 'आई लव मोहम्मद' से जुड़े पोस्टरों को लेकर विवाद के बाद हिंसा भड़क उठी थी। शुक्रवार की नमाज के बाद हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, जब पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और हालात को काबू में लाया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आईएमसी के कुछ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन की आड़ में कथित रूप से दंगे भड़काने की साजिश रची थी।

सरकारी अस्पताल की दवाओं के भरोसे न कराएं इलाज

वरना जिंदगी भर पछताना पड़ेगा- सीएमएस का विवादित बयान वायरल

लखनऊ (**एजेंसी**)। अम्बेडकरनगर जिला अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। अस्पताल के सीएमएस (मुख्य चिकित्साधिकारी) और एक मरीज के बीच का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें गंभीर आरोप सामने आए हैं। वायरल वीडियो में सीएमएस पी.एन. यादव यह कहते नजर आ रहे हैं कि अगर सही और भरोसेमंद इलाज चाहिए, तो मरीजों को बाहर से दवा और उपकरण खुद लाने होंगे, अन्यथा 'इंफेक्शन का खतरा' बढ़ सकता है। यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भी दो-तीन मरीजों से खुद बाहर से सामान मंगवाया है।इस वीडियो के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया है। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में इलाज के नाम पर उनसे भारी रकम मांगी जा रही है। एक मरीज ने कैमरे पर कबूल किया कि उससे ऑपरेशन के लिए 15 हजार रुपये जमा करने को कहा गया था, तभी उसका इलाज करने की बात कही गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में इस तरह की मांगें स्वास्थ्य सेवाओं की हालत पर सवाल उठाती हैं। सरकारी अस्पतालों को जहां गरीब और जरूरतमंदों की सेवा के लिए जाना जाता है, वहीं यहां इलाज से पहले पैसे और बाहर से सामान खरीदने की मजबूरी ने जनमानस में रोष पैदा कर दिया है।फिलहाल सीएमएस और स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

बेखौफ बदमाशों ने जूस विक्रेता की गोली मारकर की हत्या, परिजन बोले- हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं

गोरखपुर। जिले के बांसगांव क्षेत्र में एक जूस विक्रेता की उसके घर में उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह सो रहा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि घटना बुधवार देर रात करीब एक बजे बांसगांव थाना क्षेत्र के गोदासरी गांव की है जहां मुन्ना साहनी (47) की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

साहनी के बेटे चंद्रभान ने पुलिस को बताया, ''15-16 अक्टूबर की रात करीब एक बजे उनकी मां आशा देवी ने तेज आवाज सुनी। उन्हें लगा कि कुछ गिर गया है। जब वह देखने गईं, तो उन्होंने पिता जी को खून से लथपथ पाया।' चंद्रभान ने बताया कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने गोली लगने से उनकी मौत की पुष्टि की। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचीं और खून के धब्बों, पीड़ित के बिस्तर के पास एक निशान सहित कई साक्ष्य एकत्र किए। उन्होंने बताया कि हत्या का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। परिवार का दावा है कि साहनी की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस की तीन टीम गठित की गई हैं।

मायावती की अगुवाई में बसपा का चुनावी शंखनाद आकाश आनंद का जल्द होगा यूपी दौरा

लखनऊ (**एजेंसी**)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतिक तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में गुरुवार को लखनऊ स्थित बसपा प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मायावती ने की। यह बैठक बसपा की हाल ही में लखनऊ में हुई महासंकल्प रैली में उमड़े जनसैलाब के बाद बुलाई गई थी। बैठक में बड़ी संख्या में प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। विभिन्न राज्यों से भी बसपा कार्यकर्ता इस बैठक में पहुंचे, जिससे पार्टी के भीतर चुनाव को लेकर गंभीरता साफ नजर आई।

सूत्रों के मुताबिक, मायावती ने इस बैठक में पार्टी नेताओं को चुनाव की रणनीति, संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक तैयारियों को धार देने के निर्देश दिए। साथ ही 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य को लेकर रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में मायावती के साथ उनके भतीजे आकाश आनंद के कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा होनी थी, लेकिन वे किसी कारणवश बैठक में शामिल नहीं हो सके। हालांकि, मायावती ने उनके आगामी उत्तर प्रदेश दौरे की संभावनाओं पर संकेत दिया। माना जा रहा है कि आकाश आनंद जल्द ही राज्य के सभी जिलों में दौरा करेंगे और संगठन को सक्रिय करेंगे। इस बैठक के बाद बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी पूरी गंभीरता के साथ 2027 के चुनाव की तैयारी में जुट गई है। 'बसपा ने 2027 विधानसभा चुनाव के लिए पूरी ताकत के साथ तैयारी शुरू कर दी है। हम जनता के बीच जाएंगे और बहुजन समाज के हित में काम करेंगे।'

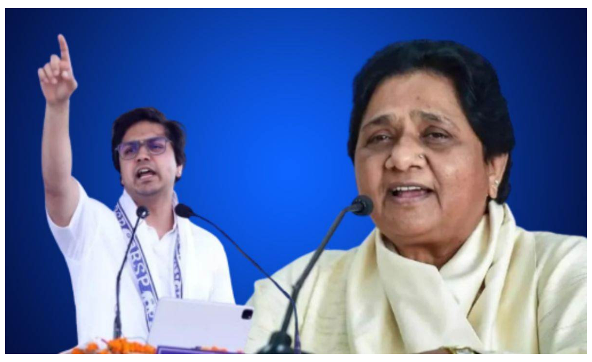

इंदौर में वर्चस्व की जंग! 24 ट्रांसजेंडरों ने पिया फिनाइल एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया गया

भोपाल। इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 24 लोगों ने बुधवार रात एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, जिसके बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सरकारी महाराजा यशवंतराव अस्पताल (एमवायएच) के प्रभारी अधीक्षक डॉ. बसंत कुमार निंगवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'ट्रांसजेंडर समुदाय के लगभग 25 लोगों को हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने एक साथ फिनाइल पीने का दावा किया है, लेकिन इसकी तत्काल पुष्टि नहीं हो पाई है।' उन्होंने बताया कि किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है। हालांकि, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों द्वारा सामूहिक रूप से की गई इस घटना के पीछे क्या कारण था, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है।

इंदौर में ट्रांसजेंडर समुदाय के गुटीय विवाद में 24 लोगों के कथित तौर पर फिनाइल पीने के बाद बृहस्पतिवार को पुलिस ने एक गुट की प्रमुख को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पंढरीनाथ पुलिस थाने में दर्ज मामले के आधार पर ट्रांसजेंडर के एक स्थानीय गुट की प्रमुख सपना गुरु को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रांसजेंडर के दूसरे गुट के सदस्यों का आरोप है कि सपना गुरु और उसके तीन साथियों ने इस समुदाय के एक सम्मेलन के लिए एकत्रित धरोहर राशि उन्हें लौटाने से इनकार कर दिया और उनके साथ मारपीट करते हुए उन्हें जान से मार डालने की धमकी भी दी।

दंडोतिया ने बताया कि ट्रांसजेंडर के इस गुट ने यह आरोप भी लगाया है कि सपना गुरु और उसके साथियों की प्रताड़ना से तंग आकर उसके 24 सदस्यों ने आत्महत्या के इरादे से बुधवार रात कथित तौर पर 'फिनाइल' पी लिया था। उन्होंने बताया, ''फिनाइल पीने की बात कहने वाले सभी 24 लोगों को शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों के मुताबिक सभी मरीजों की हालत पूरी तरह खतरे से बाहर है।''

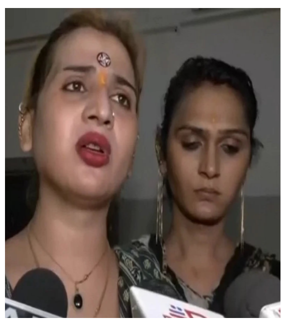

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय के गुटीय विवाद को लेकर पंढरीनाथ पुलिस थाने में दर्ज मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। दंडोतिया ने बताया कि एमवायएच परिसर में बुधवार देर रात हंगामे के बीच एक ट्रांसजेंडर ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की कोशिश की थी, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उसकी कोशिश नाकाम दी थी। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शहर में ट्रांसजेंडर समुदाय के दो गुटों के बीच वर्चस्व, धन के लेन-देन और गद्दी (गुरु पद) को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा है और दोनों गुट आए दिन एक-दूसरे पर संगीन आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग करते रहते हैं।

मनोज तिवारी का महागठबंधन पर सवाल जो घर नहीं जोड़ सकते, वो बिहार कैसे बनाएंगे?

पटना। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने गुरुवार को महागठबंधन, खासकर राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा और कहा कि जिनके अपने घर में ही एकता नहीं, वे बिहार का विकास कैसे कर सकते हैं। तिवारी ने एएनआई से कहा कि जिनके अपने घर में ही एकता नहीं, जहाँ दो भाइयों के बीच झगड़ा हो, वे बिहार को कैसे ठीक रख सकते हैं? न राहुल गांधी तेजस्वी यादव को पसंद करते हैं और न ही तेजस्वी यादव राहुल गांधी को, और जनता यह समझ चुकी है। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत का भी भरोसा जताया।

भाजपा सांसद ने कहा कि एनडीए में हर कोई अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के चयन में लगा हुआ है। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि इस बार एनडीए का हर उम्मीदवार बड़े अंतर से जीतेगा और बिहार एक नई उड़ान के लिए तैयार है। इस बीच, बिहार चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की घोषणा के बाद भी, एनडीए गठबंधन के भीतर समस्याओं का सामना कर रहा है। बुधवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष कुशवाहा और केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुँचे।

उपेंद्र कुशवाहा ने दिल्ली हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, 'गठबंधन में कुछ मुद्दे हैं जिन्हें सुलझाने की ज़रूरत है। हम यहाँ केंद्रीय गृह मंत्री से मिलने आए हैं और मुझे उम्मीद है कि हर मुद्दे का समाधान हो जाएगा।' आरएलएम ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए छह उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पार्टी ने राज्य चुनावों के लिए विभिन्न जिलों से छह उम्मीदवारों की घोषणा की है।

प्रदेश महासचिव सुभाष चंद्रवंशी द्वारा जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, टिट्टू को सीवान जिले की बासोपट्टी विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। मधुबनी से मयंक आनंद और रोहतास जिले की दिनारा विधानसभा सीट से आलोक कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे। इस सूची में समस्तीपुर के उजियारपुर से प्रशांत कुमार पासवान, रोहतास के सासाराम से मीनाक्षी और मुजफ्फरपुर के पारू से टिट्टू नाम के एक और उम्मीदवार का नाम शामिल है।

बिहार महागठबंधन में सीट बंटवारा बना सिरदर्द नामांकन करीब, लालू-राहुल के बीच फोन पर हुई बात

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। बिहार में पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन दाखिल करने में केवल 26 घंटे शेष हैं, लेकिन महागठबंधन ने अभी तक सीट बंटवारे की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत की। कांग्रेस नेताओं ने राजद प्रमुख लालू यादव से भी बात की। बैठक के दौरान, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने खड़गे और राहुल गांधी से कहा कि गठबंधन में अन्य सहयोगियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, जो उनके अनुसार ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

सीट बंटवारे पर अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है, लेकिन राजद और कांग्रेस के कई नेता पहले ही नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से अपनी सीट जीतने का विश्वास जताया। यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने राज्य में बेरोज़गारी दूर करने और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई। तेजस्वी ने मौजूदा सरकार के प्रति बढ़ते जन असंतोष पर प्रकाश डाला और कहा कि महागठबंधन आगामी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि राघोपुर की जनता ने मुझ पर दो बार भरोसा किया है और मुझे विश्वास है कि इस बार भी वे मुझ पर भरोसा करेंगे... आप सभी जानते हैं कि हमारी पार्टी का उद्देश्य राज्य से बेरोज़गारी दूर करना और बिहार का फिर से निर्माण करना है... राज्य की जनता यहाँ के भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है और नई शुरुआत चाहती है... हमारा महागठबंधन 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है और मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार राज्य में सत्ता

दिल्ली सरकार शहर को भारत की रचनात्मक राजधानी बनाने के लिए काम कर रही : मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली सरकार, शहर को देश की रचनात्मक राजधानी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है और लाखों दर्शकों की क्षमता वाले वृहद आयोजन स्थलों के विकास की योजना पर काम जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अगले 70 दिनों में, 30 प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुति देंगे।

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी रैपर ट्रैविस स्कॉट और गायक एकॉन अगले कुछ महीनों में दिल्ली में प्रस्तुति देंगे। उन्होंनेकहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के दिसंबर में दिल्ली दौरे को लेकर बातचीत चल रही है। गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार दिल्ली को रचनात्मक राजधानी और आयोजनों के अनुकूल शहर बनाने को लेकर काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम विश्वस्तरीय सुविधाओं वाले कार्यक्रम स्थल विकसित करेंगे, जिनकी क्षमता लाखों दर्शकों की होगी।

लाइव मनोरंजन उद्योग में दिल्ली की हिस्सेदारी 2, 000 से 3, 000 करोड़ रुपये की है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि भारत आने वाला कोई भी विदेशी दिल्ली भी आए। हम आयोजनकर्ताओं को आयोजन से जुड़ी सामग्री, बुनियादी ढांचा और सुरक्षा प्रदान करेंगे।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा की अनुमति मांगने वाली याचिका वापस ली

मुम्बई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने बृहस्पतिवार को मुंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह विदेश यात्रा की अनुमति के अनुरोध वाली अपनी याचिका वापस ले रही हैं। शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हैं। शिल्पा के वकील निरंजन मुंदरगी ने मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अनखड़ की खंडपीठ के समक्ष बताया कि अभिनेत्री अपनी याचिका वापस ले रही हैं। उन्होंने कहा, ''भविष्य में जब भी शिल्पा और उनके पति विदेश यात्रा करना चाहेंगे, वे अदालत से अनुमति के लिए नयी याचिका दायर करेंगे। वर्तमान याचिका पर शिल्पा फिलहाल जोर नहीं दे रही हैं।''

इस मामले में शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने दंपति पर आरोप लगाया था कि 2015 से 2023 के बीच दंपति ने उन्हें (कोठारी) अपनी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में 60 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया लेकिन इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

दंपति ने पिछले महीने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें शहर पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के आदेश पर उनके खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) को निलंबित करने का अनुरोध किया गया था।

उन्होंने अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच अपने पेशेवर कार्य और छुट्टी मनाने के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। न्यायालय ने बृहस्पतिवार को शिल्पा के आवेदन वापस लेने की याचिका को स्वीकार किया और दंपति के एलओसी निलंबन याचिका की सुनवाई 17 नवंबर के लिए निर्धारित की।

पिछली सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जब तक शिल्पा और राज कुंद्रा धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े के मामले में आरोपी हैं, तब तक उन्हें छुट्टी मनाने के लिए यात्राओं की अनुमति नहीं दी जा सकती। न्यायालय ने कहा था कि यह याचिका केवल तभी विचाराधीन होगी जब वे 60 करोड़ रुपये जमा करने को तैयार हों।

दीवाली पर नारपोली पुलिस का तोहफाः 100 चोरी के मोबाइल लौटाए

15 लाख की संपत्ति मालिकों को सौंपी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दीवाली के शुभ अवसर पर भिवंडी की नारपोली पुलिस ने नागरिकों को ऐसा तोहफा दिया, जिसने कई चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। नारपोली पुलिस स्टेशन ने चोरी और गुम हुए कुल 100 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को वापस सौंपे, जिनकी कुल कीमत करीब 15 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। यह अनोखा उपक्रम पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, पुलिस उपायुक्त (भिवंडी) शशिकांत बोराटे, सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कादबाने के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संचालन में पुलिस निरीक्षक आनंदा पाटिल, ज्ञानेश्वर कदम, सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश कावड और सिपाही विजय ताठे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस के अनुसार, नारपोली पुलिस स्टेशन की टीम ने सीईआईआर (ण्ठ्) पोर्टल और तकनीकी जांच की मदद से चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन का पता लगाया। लगातार प्रयासों और सूक्ष्म जांच के बाद यह सफलता हासिल की गई। दीवाली के शुभ मुहूर्त पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में जब नागरिकों को उनके खोए हुए मोबाइल वापस मिले, तो कई लोगों की आंखें खुशी से भर आईं। उपस्थित नागरिकों ने कहा कि दीवाली पर अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलना किसी उपहार से कम नहीं है।मौके पर बड़ी संख्या में नागरिकों के साथ पुलिस अधिकारी और पत्रकार भी उपस्थित थे। पुलिस की इस पहल की हर ओर सराहना की जा रही है।नारपोली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल फोन खो जाए या चोरी हो जाए, तो वे तुरंत सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करें। इससे न केवल पुलिस को जांच में मदद मिलती है, बल्कि चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने में भी सहूलियत होती है। भिवंडी पुलिस की यह पहल न सिर्फ तकनीकी दक्षता का उदाहरण है, बल्कि समाज के प्रति पुलिस की संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भी प्रतीक बन गई है।

भिवंडी में मनपा की मनमानीः अतिक्रमण के नाम पर गरीबों का रोजगार उजाड़ने का आरोप अवैध इमारतों पर कार्रवाई नहीं

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन पर गरीबों का रोजगार छीनने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगे हैं। प्रधानमंत्री स्व निधि के अंतर्गत जिन लाभार्थियों को लोन देकर रोजगार का अवसर प्रदान किया गया था, आज वही लोग मनपा की कार्रवाई के कारण सड़क पर आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के तीन बत्ती समेत कई इलाकों में हाथगाड़ी मालिकों को सरकार की ओर से 10 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक का लोन दिया गया था, ताकि वे फुटपाथ पर अपना छोटा-मोटा व्यापार कर सकें।

लेकिन अब मनपा प्रशासन अतिक्रमण हटाने के नाम पर इन्हीं गरीबों का रोजगार उजाड़ रहा है।सूत्रों के मुताबिक, अतिक्रमण विभाग के प्रभारी अधिकारी अरविंद घुगरे पर मनमानी और बदसलूकी के आरोप लगे है। बताया जा रहा है कि वे अपनी टीम के साथ शहरभर में गरीब विक्रेताओं के साथ दादागिरी करते हैं, उनके साथ गाली-गलौज करते हैं और कई बार उनका सामान जब्त कर लेते हैं। एक वायरल वीडियो में भी घुगरे का ऐसा ही बर्ताव देखने को मिला था, लेकिन मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह टीम फुटपाथ विक्रेताओं से अवैध वसूली करती है। जो वसूली नहीं देता, उसका सामान उठा लिया जाता है। वहीं दूसरी ओर, शहर में तेजी से बढ़ती अवैध इमारतों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। स्वयं मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने कोर्ट में दी गई रिपोर्ट में स्वीकार किया है कि वर्ष 2022 के बाद भिवंडी में 291 अवैध इमारतों का निर्माण हुआ है। इसके अलावा वर्तमान में पांच प्रभाग समितियों के अंतर्गत करीब 150 इमारतें निर्माणाधीन हैं, जिनमें कई सात से आठ मंजिल तक की हैं। आरोप है कि मनपा के भ्रष्ट अधिकारी इन इमारतों को संरक्षण देते हैं और प्रति स्लैब या प्रति फुट के हिसाब से वसूली करते हैं।जानकारों का कहना है कि मनपा प्रशासन के पास आधिकारिक फुटपाथ तक नहीं हैं, फिर भी फुटपाथ निर्माण और मरम्मत के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वहीं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का ठीकरा गरीबों के सिर फोड़कर झूठी उपलब्धि गिनाई जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों की जांच कराई जाए और प्रधानमंत्री स्व रोजगार योजना के लाभार्थियों को संरक्षण दिया जाए, ताकि वे दो वक्त की रोटी ईमानदारी से कमा सकें।

मोहम्मद अली ढाबा जमीन विवादः

वंचित आघाडी का पालिका मुख्यालय पर आंदोलन, अतिक्रमण हटाने की मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

धामणकर नाका स्थित चर्चित मोहम्मद अली ढाबा (एमडी ढाबा) की जमीन को लेकर उठा विवाद अब भिवंडी पालिका मुख्यालय तक पहुँच गया है। बुधवार को वंचित बहुजन आघाडी ने मुख्यालय के सामने एक दिवसीय धरना आंदोलन करते हुए इस ढाबे पर हुए कथित अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग की।धरने में वंचित बहुजन आघाडी के सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि प्रभाग समिति क्रमांक तीन के तत्कालीन सहायक आयुक्त जगदीश जाधव ने इस ढाबे को अतिक्रमण घोषित करते हुए इसे अवैध बांधकाम बताया था। इसके बावजूद एमआरटीपी अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि सड़कों पर ठेला लगाकर रोजी-रोटी कमाने वालों के खिलाफ तो मनपा तुरंत कार्रवाई करती है, लेकिन बड़े अतिक्रमणकर्ताओं पर प्रशासन मौन क्यों है।वंचित आघाडी ने भिवंडी मनपा अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि कुछ अधिकारियों ने अवैध बांधकाम को संरक्षण दिया है। आघाडी ने मांग की कि ऐसे अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और जो रिटायर हो चुके हैं, उनकी पेंशन रोकी जाए।उल्लेखनीय है कि हाल ही में 291 अवैध इमारतों का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब मोहम्मद अली ढाबा विवाद ने एक बार फिर पालिका प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सबकी निगाहें अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त विक्रम दराडे और प्रभारी सहायक आयुक्त सुरेन्द्र भोईर पर टिकी हैं – क्या वे इस अतिक्रमण को हटाकर कार्रवाई करेंगे या फिर मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

भिवंडी में अवैध बांधकामों का बोलबालाः 291 में से 42 इमारतें तोड़ी गईं, पर उग आईं 150 नई अवैध इमारतें

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगर पालिका क्षेत्र में अवैध बांधकामों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुंबई उच्च न्यायालय की सख्त फटकार के बाद वर्ष 2022 से अब तक प्रशासन ने 291 अवैध इमारतों की सूची तैयार कर राज्य सरकार को भेजी थी। इनमें से 42 इमारतों को तोड़ा भी गया, लेकिन इसके बावजूद शहर में अवैध बांधकामों की रफ्तार और तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, फिलहाल पांचों प्रभाग समितियों के अंतर्गत लगभग 150 नई अवैध इमारतें निर्माणाधीन हैं।

महानगर पालिका प्रशासन ने इन अवैध इमारतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिखावा करते हुए जनसंपर्क विभाग के माध्यम से व्यापक प्रचार किया था कि हर सप्ताह कम से कम एक बहुमंजिला अवैध इमारत को निष्कासित किया जाएगा। किंतु इस दावे की पोल वंचित बहुजन आघाडी ने हाल ही में फोड़ दी। आघाडी के पदाधिकारियों ने पालिका मुख्यालय के सामने एक दिवसीय आंदोलन कर आरोप लगाया कि धामणकर नाका क्षेत्र में जैन समाज की जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए मोहम्मद अली ढाबा को पूर्व सहायक आयुक्त जगदीश जाधव ने अवैध घोषित किया था, लेकिन आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।सूत्रों का कहना है कि वर्तमान में निर्माणाधीन 150 अवैध इमारतों में से कई स्थानीय नेताओं के संरक्षण में बनाई जा रही हैं। प्रभाग समिति क्रमांक दो के गैबीनगर क्षेत्र में लगभग पाँच इमारतें, प्रभाग समिति क्रमांक एक के म्हाडा कॉलोनी क्षेत्र में आधा दर्जन, प्रभाग समिति क्रमांक तीन के पद्मानगर और शास्त्रीनगर में एक दर्जन से अधिक, जबकि प्रभाग समिति क्रमांक चार के नालापार, रोशनबाग और दरगाह दीवान शाह परिसर में एक दर्जन से अधिक अवैध बांधकाम जोरों पर हैं।इन मामलों पर संबंधित प्रभाग अधिकारियों से पूछे जाने पर वे जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं। सूत्रों के अनुसार, नगर निगम के कुछ अधिकारी और कर्मचारियों के लिए अवैध बांधकाम अब 'आमदनी का मुख्य स्रोत' बन चुका है। यही कारण है कि बार-बार कार्रवाई की घोषणाओं के बावजूद शहर में अवैध इमारतों का जाल लगातार फैलता जा रहा है।अब सवाल यह है कि क्या भिवंडी मनपा वास्तव में इन अवैध बांधकामों पर अंकुश लगाएगी, या फिर यह मुद्दा भी पुराने मामलों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाएगा?

शातिर चोर गिरोह गिरफ्तार, सेंधमारी और मोबाइल चोरी के 9 मामलों का पर्दाफाश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी क्राइम ब्रांच पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शातिर चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर सेंधमारी और मोबाइल चोरी के नौ मामलों का पर्दाफाश किया है। आरोपियों के पास से चोरी का माल भी बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, हाल के दिनों में भिवंडी परिसर में लगातार घरफोड़ी और मोबाइल चोरी की घटनाएं बढ़ रही थीं। अपराध शाखा घटक-2 ने गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जुनैद अहमद मोहम्मद हनीफ शहा (20), मोहम्मद आकीब मकबूल खान (22), हमजा सुजुद अहमद सिद्दीकी (20), शाहरूख इमरान अंसारी (21) सभी निवासी गायत्रीनगर व शांतिनगर तथा शाकीर साजिद शेख (22) निवासी गौतम नगर, गोवंडी के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रह चुके हैं। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह रात के समय सुनसान इलाकों में घरों को निशाना बनाता था। आरोपी दरवाजों के ताले तोड़कर घरों में घुसते और मोबाइल फोन, सोने-चांदी के गहने व नकदी लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस ने इनके पास से चोरी की मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, सोने के जेवर, नकदी और अन्य सामान बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत 3 लाख 12 हजार 423 रुपये बताई गई है। अब तक की जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपी भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चार, शांतिनगर पुलिस स्टेशन के तीन और निजामपुरा व भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन के एक-एक मामले में शामिल हैं। सभी नौ मामले संबंधित पुलिस थानों में दर्ज हैं।वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे ने बताया कि यह कार्रवाई अपर पुलिस आयुक्त (अपराध, ठाणे शहर) डॉ. पंजाबराव उगले, पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमर सिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध शोध-01) शेखर बागडे के मार्गदर्शन में की गई। इस अभियान में सहायक पुलिस निरीक्षक श्रीराम माली, मिथुन भोईर, रवींद्र पाटिल, रामचंद्र जाधव, प्रशांत राणे, निलेश बोरसे, सुदेश घाग, सुनिल सालुंके, सुधाकर चौधरी, साबीर शेख, रंगनाथ पाटिल, किशोर थोरात, राजेश गावडे, भावेश घरत और तडवी सहित पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही।गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

अमृत संवाद ने कलबुरगि स्टेशन पर नागरिक-रेलवे संपर्क को मज़बूत किया

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने विशेष अभियान 5.0 के तहत रेलवे अधिकारियों, यात्रियों और हितधारकों के बीच सीधा संवाद मंच बनाने के उद्देश्य से कलबुरगि रेलवे स्टेशन पर 'अमृत संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया। अमृत संवाद पहल, रेल नेटवर्क के विकास में पारदर्शिता, समावेशिता और भागीदारी बढ़ाने के भारतीय रेल के नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण का हिस्सा है। इस कार्यक्रम ने यात्रियों और हितधारकों को सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए अपनी बहुमूल्य प्रतिक्रिया, अनुभव और सुझाव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत संवाद की मुख्य विशेषताएँः

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अमृत स्टेशनों पर किए गए प्रमुख सुधारों का मूल्यांकन और प्रदर्शन करना था, जिनमें शामिल हैंः

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए गए सुधारों का मूल्यांकन

चल रहे विकासात्मक पहलों के बारे में नागरिकों से प्रतिक्रिया

यात्री सुविधा बढ़ाने के लिए सुधार के अन्य क्षेत्रों की पहचान

भारतीय रेल की विकास यात्रा में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना

स्वच्छता बनाए रखने और स्टेशन के रखरखाव में यात्रियों की भूमिका के बारे में जागरूकता का प्रचार

डीआरएम सोलापुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें सीनियर डीसीएम, डीईएन (दक्षिण), एडीईएन (जीएसयू) और एडीईएन कलबुरगि शामिल थे, इनके साथ-साथ कल्याण कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केकेसीसीआई), जेडआरयूसीसी, डीआरयूसीसी और अन्य रेल उपयोगकर्ताओं जैसे विभिन्न हितधारक समूहों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और यात्रियों से बातचीत करके उनकी ज़रूरतों और अपेक्षाओं को समझा।

कलबुरगि स्टेशन पर अमृत संवाद ने नागरिकों और भारतीय रेल के बीच साझेदारी की भावना को और मज़बूत किया। खुले संचार को बढ़ावा देना, फीडबैक को प्रोत्साहित करना और सुधार प्रक्रिया में जनता को शामिल करना, सेवा उत्कृष्टता और यात्री संतुष्टि के प्रति मध्य रेल के सोलापुर मंडल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जयशंकर बोले- भारत और मिस्र वैश्विक दक्षिण के देशों के हितों और स्वतंत्र नीति के पक्षधर

नई दिल्ली। नई दिल्ली में गुरुवार को भारत और मिस्र के बीच पहली रणनीतिक वार्ता हुई। इस बैठक को दोनों देशों ने अपने रिश्तों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअती ने दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

पहली रणनीतिक वार्ता में रिश्तों को नई दिशा

जयशंकर ने कहा कि 2023 में भारत-मिस्र संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर ले जाने के बाद से दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार और राजनीतिक सहयोग कई क्षेत्रों में तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'हमारी बैठक इस रिश्ते में एक अहम पड़ाव है। यह अवसर है बीते सहयोग की समीक्षा करने और आगे की दिशा तय करने का।' जयशंकर ने मिस्र की सरकार और विदेश मंत्री अब्देलअती को पहलगाम आतंकी हमले के बाद दिखाई गई एकजुटता के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि उस समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने एक-दूसरे से बात की थी।

अंतरराष्ट्रीय हालात पर खुली चर्चा

जयशंकर ने कहा, 'हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब वैश्विक स्थिति काफी जटिल और अस्थिर है। मौजूदा चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के लिए फायदेमंद है।' उन्होंने मिस्र के राष्ट्रपति सिसी के नेतृत्व में गाजा पट्टी में शांति बहाल करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन करता है और फिलिस्तीन के विकास के लिए लगातार मदद कर रहा है।

एक घंटे की तूफानी बारिश के कारण भिवंडी शहर में जगह जगह भरा पानी

भिवंडी (संवाददाता) भिवंडी शहर में गुरुवार की शाम तेज हवाओं के साथ हुई तूफानी बारिश मुसीबत बन गई।शाम लगभग 5 बजे हल्की बौछारों के साथ बारिश शुरू हुई, फिर गरज और बिजली की चमक के साथ बारिश तेज हो गई और भारी बारिश होने लगी।मूसलाधार बारिश के कारण शहर के तीनबत्ती, मंडई, शिवाजी चौक, कल्याण नाका,कमला होटल सहित शहर के निचले इलाके में पानी भर गया।हालांकि तूफानी बारिश के बावजूद किसी अप्रिय घटना का समाचार नहीं मिला है।लेकिन एकाएक आए बारिश के कारण जनता को कई घंटों बारिश से बचने के लिए जद्दोजगह करते देखा गया।इस दौरान कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।शहर के हर हिस्से में बारिश के कारण यातायात जाम हो गया।इसके साथ ही, दिवाली त्योहार की पूर्व संध्या पर खरीदारी करने आए नागरिकों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा।इसी तरह, दिवाली त्योहार की शुरुआत में पटाखा विक्रेताओं को भी भारी नुकसान हुआ है।वही ग्रामीण क्षेत्र में इस बारिश के कारण धान की फसल को काफी नुकसान हुआ।किसान इसे लेकर काफी दुखी हो गए और नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से मुआवजे की मांग करने लगे है।

सड़क के गड्ढों ने ली एक और जान

भिवंडी। भिवंडी में सड़कों के गड्ढों ने एक और युवक की जान ले ली। साईं बाबा मंदिर के सामने ब्लॉक और रोड के बीच बने गड्ढे में देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें इंद्रलोक रेसिडेन्सी पाईपलाइन के रहने वाले 20 वर्षीय राज रंजन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रात करीब दो बजे हुआ, जब राज किसी काम से घर लौट रहा था। रास्ते में उसका वाहन असंतुलित होकर गड्ढे में फँस गया और वह गिर पड़ा। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर के पिछले पहिए ने उसे कुचल दिया। इस घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों का कहना है कि इस सड़क पर लंबे समय से गहरे गड्ढे बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सड़कों की खराब हालत के कारण यह इलाका लगातार हादसों का गवाह बनता जा रहा है।भिवंडी में सड़क व्यवस्था की लचर स्थिति किसी से छिपी नहीं है। शहर की कई मुख्य सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे और असमान सतह के कारण हर दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। राज रंजन सिंह की मौत ने एक बार फिर प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। लोगों की मांग है कि संबंधित विभाग तुरंत कार्रवाई करे, सड़क की मरम्मत करवाए और मृतक परिवार को उचित मुआवजा दे।

धर्मेंद्रसिंह जडेजा की शानदार गेंदबाजी, 7 विकेट लेकर कर्नाटक को 372 रन पर समेटा

राजकोट। बाएं हाथ के स्पिनर धर्मेंद्रसिंह जडेजा के 124 रन देकर 7 विकेट झटकने से सौराष्ट्र ने यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के दूसरे दिन कर्नाटक को पहली पारी में 372 रन पर समेट दिया। कर्नाटक ने 5 विकेट पर 295 रन से आगे खेलते हुए जडेजा की शानदार गेंदबाजी के आगे आखिरी पांच विकेट महज 77 रन में गंवा दिए। अर्धशतक जड़ने वाले स्मरण रविचंद्रन (77) अपने कल के स्कोर में महज 11 रन ही जोड़ सके जबकि अनुभवी श्रेयस गोपाल (95 गेंद में 56 रन, चार चौके, दो छक्के) और शिखर शेट्टी (41) ने उपयोगी योगदान देकर कर्नाटक को 372 रन तक पहुंचाया।

कर्नाटक के लिए बुधवार को देवदत्त पडिक्कल (96 रन) और करुण नायर (73 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 146 रन जोड़े थे। सौराष्ट्र ने दूसरे दिन स्टंप तक 60 ओवर में चार विकेट पर 200 रन बना लिए थे जिससे वह पहली पारी के हिसाब से कर्नाटक से 172 रन पीछे है। विकेटकीपर हार्विक देसाई (41) और चिराग जानी (90 रन) ने पहले विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर सौराष्ट्र को मजबूत शुरुआत दिलाई।

दिन का खेल समाप्त होने तक अर्पित वासवडा (नाबाद 12) और प्रेरक मांकड़ (नाबाद 20) क्रीज पर थे। बल्ले से शानदार प्रदर्शन के बाद गोपाल ने गेंद से भी शानदार प्रदर्शन किया और 51 रन देकर तीन विकेट चटकाए। तिरूवंनतपुरम में महाराष्ट्र की टीम पहली पारी में 239 रन पर आउट हो गई और इसके जवाब में केरल ने स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 35 रन बना लिए थे।

महाराष्ट्र के लिए रूतुराज गायकवाड (91 रन) के अलावा जलज सक्सेना ने 49 रन का योगदान दिया। पोरवोरिम में ललित यादव (213 रन) और अभिनव तेजा (205 रन) के शानदार दोहरे शतकों के बाद गोवा की पहली पारी 566 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में चंडीगढ़ ने एक विकेट गंवाकर 34 रन बना लिए थे।

यह एकमात्र विकेट महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने झटका। इंदौर में पंजाब की टीम सारांश जैन के (75 रन देकर) छह विकेट झटकने से पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई जिसके जवाब में मध्य प्रदेश ने स्टंप तक छह विकेट गंवाकर 305 रन बना लिए थे और रजत पाटीदार 107 रन की शतकीय पारी खेलकर क्रीज पर डटे हुए हैं। पंजाब के लिए नमन धीर और प्रेरित दत्ता ने तीन तीन विकेट चटकाए।

सांगवान और दोसेजा की डबल सेंचुरी से दिल्ली ने मचाई धूम, रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ नाम

हैदराबाद। रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के दूसरे दिन दिल्ली के दो युवा बल्लेबाजों ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान (नाबाद 211) और नए खिलाड़ी आयुष दोसेजा (209) ने शानदार दोहरे शतक जमाते हुए दिल्ली को 4 विकेट पर 529 रन तक पहुंचाया। दोनों की 319 रनों की साझेदारी ने हैदराबाद को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया।

पहले दिन दिल्ली की शुरुआत निराशाजनक रही थी जब टीम तीन विकेट पर मात्र 113 रन बनाकर संघर्ष कर रही थी। लेकिन इसके बाद सांगवान और दोसेजा ने अपनी बल्लेबाजी से खेल का रुख पलट दिया। दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों ने शानदार तालमेल दिखाया और चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी कर दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सांगवान ने क्लासिकल टेस्ट बल्लेबाजी की मिसाल पेश की। अपनी 470 गेंदों की पारी में उन्होंने 21 चौके और तीन छक्के लगाए और कई बार गेंदों को छोड़कर गेंदबाजों को थकाया। उनकी बल्लेबाजी ने पुराने जमाने के धैर्य और तकनीक की याद दिला दी। सांगवान का यह पहला प्रथम श्रेणी शतक था, जिसे उन्होंने दोहरे शतक में बदलकर करियर की शानदार शुरुआत की।

आयुष दोसेजा ने दूसरी ओर आक्रामक तेवर अपनाए और मात्र 279 गेंदों में 209 रन ठोक डाले। उन्होंने 25 चौके और 5 छक्के लगाए। खासतौर पर उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर गंगम अनिकेत रेड्डी पर जमकर प्रहार किया, एक ही गेंदबाज के खिलाफ 11 चौके और 2 छक्के जड़े। उनके शॉट्स लॉन्ग ऑन, लॉन्ग ऑफ और मिडविकेट की दिशा में गूंजते रहे।

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली का शीर्ष क्रम लगातार नाकाम रहा था, लेकिन सांगवान और दोसेजा की यह साझेदारी टीम के लिए ताजा उम्मीद लेकर आई है। यह दोनों बल्लेबाज न केवल तकनीकी रूप से सक्षम हैं बल्कि मानसिक रूप से भी बेहद मजबूत साबित हुए। इस प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं और कोचिंग स्टाफ की नजर इन दो युवा खिलाड़ियों पर जरूर टिकेगी।

हैदराबाद की गेंदबाजी पूरी तरह विफल रही। पिच बल्लेबाज़ों के लिए बेहद अनुकूल थी, लेकिन फिर भी हैदराबाद के गेंदबाज़ लगातार लाइन-लेंथ से जूझते रहे। हालात ऐसे बने कि कप्तान तिलक वर्मा को खुद गेंदबाज़ी करनी पड़ी। उन्होंने पाँच ओवर ऑफ-स्पिन फेंके, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। मैच के बाद तिलक ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गए, जिससे टीम और कमजोर पड़ गई।

एयर इंडिया की अनुषंगी को छह बोइंग विमानों के लिए मिला 21.5 करोड़ डॉलर का ऋण

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्टैंडर्ड चार्टर्ड और बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को गुजरात गिफ्ट सिटी स्थित एयर इंडिया की अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज आईएफएससी लिमिटेड (एआईएफएस) को 21.5 करोड़ डॉलर का ऋण देने की घोषणा की।

एक बयान में कहा गया है कि इस ऋण का उपयोग छह बोइंग 777-300 ईआर विमानों को लेने के लिए किया जाएगा। इन विमानों को आगे चलकर एयर इंडिया को पट्टे पर दिया जाएगा। यह ऋण सात वर्षों में किस्तों के रूप में चुकाया जाएगा।

एआईएफएस, एयर इंडिया की विमानों को पट्टे पर मुहैया कराने वाली अनुषंगी है। एयर इंडिया इस समय अपने विमान बेड़े के आधुनिकीकरण और विस्तार की प्रक्रिया में है। इस सौदे को तैयार करने में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने प्रमुख भूमिका निभाई है।

वहीं, बैंक ऑफ इंडिया और स्टैंडर्ड चार्टर्ड दोनों ने मिलकर इस सौदे को मुख्य व्यवस्थापक और बुकरनर के रूप में पूरा किया। स्टैंडर्ड चार्टर्ड के वैश्विक प्रमुख (परिवहन वित्त) अभिषेक पांडेय ने कहा, ''यह वित्तपोषण विमानन वित्त क्षेत्र के हमारे अनुभव और भारत के विमानन क्षेत्र की निरंतर वृद्धि में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।''

एआईएफएस के चेयरमैन और एयर इंडिया के मुख्य वित्तीय अधिकारी संजय शर्मा ने कहा, एयर इंडिया ने 570 विमानों का ऑर्डर देकर बदलाव की पंचवर्षीय यात्रा शुरू की है और गिफ्ट सिटी इन विमानों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी
अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है।

अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

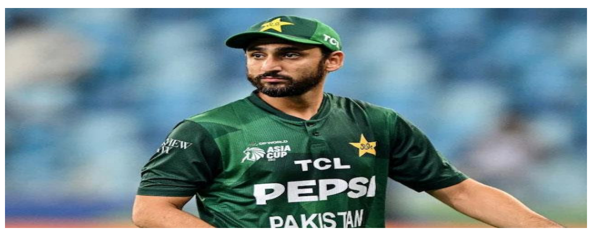

बाजार में दिवाली से पहले धमाका! सेंसेक्स-निफ्टी में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार (16 अक्टूबर) को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 862 अंकों की तेजी के साथ 83, 467 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 261 अंक मजबूत होकर 25, 585 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 900 अंकों से अधिक की छलांग लगाई। बाजार में बैंकिंग शेयरों में खरीदारी, मजबूत वैश्विक संकेत और विदेशी निवेशकों की वापसी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया।

बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। बैंक निफ्टी 0.5इ ऊपर गया। एक्सिस बैंक के शेयर सितंबर तिमाही के मजबूत नतीजों और ब्रोकरेज बर्नस्टीन की 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग से 4इ उछले। इसके साथ ही, सरकारी बैंकों के संभावित मर्जर की खबरों ने भी बाजार को रफ्तार दी।

भारतीय रुपया 40 पैसे चढ़कर 87.68 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। आरबीआई के हस्तक्षेप, कमजोर डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की गिरती कीमतों से रुपए को समर्थन मिला।

विदेशी निवेशकों ने लंबे समय बाद बाजार में खरीदारी का रुख दिखाया। 15 अक्टूबर को उन्होंने 68.64 करोड़ रुपए का निवेश किया और पिछले एक हफ्ते में 3, 000 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी की।

एशियाई बाजारों जापान का निक्केई, कोरिया का कोस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट में तेजी ने भारतीय बाजार को भी बल दिया।

भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल वाशिंगटन में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इससे दोनों देशों के बीच ऊर्जा और व्यापारिक सहयोग पर सकारात्मक संकेतों की उम्मीद है।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, हिदुल पहली बार वनडे टीम में शामिल

ढाका। मध्यक्रम के बल्लेबाज महिदुल इस्लाम अंकोन को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की।

सलामी बल्लेबाज नईम शेख और तेज गेंदबाज नाहिद राणा, जो हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ संपन्न वनडे सीरीज का हिस्सा थे, उस टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाए जिसमें सलामी बल्लेबाज सौम्य सरकार की 50 ओवरों के प्रारूप में वापसी हुई थी। सौम्य ने आखिरी बार फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था।

एशिया कप में लगी साइड स्ट्रेन की चोट के कारण लिटन के वनडे मैचों में खेलने की संभावना कम है और स्कैन रिपोर्ट आने के बाद, टीम प्रबंधन ने अपने टी20 कप्तान के साथ कोई जोखिम नहीं उठाते हुए उन्हें बेंच पर बैठाने का फैसला किया। तीन वनडे मैच क्रमशः 18, 21 और 23 तारीख को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

बांग्लादेश टीम : मेहदी हसन मिराज (कप्तान), तनजीद हसन तमीम, सौम्य सरकार, मोहम्मद सैफ हसन, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद हृदॉय, महिदुल इस्लाम एंटोन, जैकर अली, शमीम हुसैन, नूरुल हसन, रिशाद हुसैन, तनवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तनजीम हसन साकिब, हसन महमूद राज

सुल्तान ऑफ जोहोर कप
ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया
तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख

जोहोर (मलेशिया)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्रूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्रूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्रूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेज़बान मलेशिया से होगा।

महंगे हुए फल, 9 महीने में 13 फीसदी से अधिक उछाल, टूटा 5 साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इस साल 2025 में फलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। जनवरी से सितंबर के बीच फलों पर महंगाई दर औसतन 13.2इ रही, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। वहीं, सब्जियों और दालों के दाम कम होने से कुछ राहत मिली है।

विश्लेषकों के मुताबिक, साल 2024 में फलों की महंगाई 5.9इ और 2023 में 3.9इ थी। वहीं इस साल सब्जियों के दाम औसतन 10.9इ घटे, जबकि पिछले साल इसी अवधि में सब्जियों के दाम 24.9इ बढ़े थे। कुल मिलाकर खुदरा महंगाई दर 2.7इ रही, जो पिछले साल 4.7इ थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि फलों की महंगाई बढ़ने के पीछे कई कारण हैं- फसल को नुकसान, स्टोरिंग की जगह की कमी और कोल्ड चेन में दिक्कतें। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के पारस जसराई के अनुसार, बाहर से फल मंगाकर इन समस्याओं को आसानी से हल नहीं किया जा सकता। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच केले की महंगाई औसतन 8.1इ रही। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से सप्लाई कम हुई। बनाना ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के बीवी पाटिल ने बताया कि बिहार में किसान मक्का की ओर बढ़ रहे हैं, क्योंकि एथेनॉल उत्पादन में मक्का की मांग अधिक है।

हॉलीवुड को लगा बड़ा झटका! डायने कीटन का निधन, परिवार ने खोली मौत की असली वजह

डायने कीटन के परिवार ने अभिनेत्री की मृत्यु के कारण का खुलासा किया है। पीपल पत्रिका के अनुसार, 'एनी हॉल' स्टार का 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण निधन हो गया। पीपल पत्रिका को दिए एक विशेष बयान में, ऑस्कर विजेता अभिनेत्री के परिवार ने पुष्टि की कि 11 अक्टूबर को निमोनिया के कारण उनकी मृत्यु हो गई और उनके प्रति उमड़े समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। कीटन के परिवार ने पीपल पत्रिका को दिए एक बयान में यह खबर साझा की और कहा कि वे हाल के दिनों में मिले व्यापक समर्थन संदेशों के लिए आभारी हैं।

उनके परिवार ने कहा, 'कीटन परिवार अपनी प्यारी डायने, जिनका 11 अक्टूबर को निमोनिया से निधन हो गया था, की ओर से पिछले कुछ दिनों में मिले प्यार और समर्थन के असाधारण संदेशों के लिए बहुत आभारी है।'

कीटन का जन्म 1946 में लॉस एंजिल्स में हुआ था और वे पर्दे पर अपनी ईमानदारी और मौलिकता के लिए जानी जाती थीं। उन्हें 'द फर्स्ट वाइव्स क्लब', 'समथिंग्स गॉट्टा गिव' और 'बेबी बूम' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए सराहा गया। कई लोगों ने उनकी स्वतंत्रता और प्रामाणिकता की प्रशंसा की, जिनके गुणों ने वर्षों से दर्शकों को प्रेरित किया है।

उनकी करुणा को याद करते हुए, कीटन के परिवार ने पशु कल्याण और बेघर समुदाय के समर्थन के प्रति उनके समर्पण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'वह अपने जानवरों से बहुत प्यार करती थीं और बेघर समुदाय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता थी, इसलिए उनकी स्मृति में किसी स्थानीय खाद्य बैंक या पशु आश्रय में किया गया कोई भी दान उनके लिए एक अद्भुत और अत्यंत सराहनीय श्रद्धांजलि होगी।'

बिग बॉस 19 की प्रतियोगी तान्या मित्तल पर धोखाधड़ी का आरोप दर्ज, गिरफ्तारी की मांग तेज

बिग बॉस 19 के अंदर हर दिन कुछ नया हो रहा है, वहीं घर के बाहर भी कुछ न कुछ नया होता रहता है, और हमारे पास लगातार कई जानकारियाँ आ रही हैं। और अब, ऐसा लग रहा है कि तान्या मित्तल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हालांकि यह एक ऐसी बात बन गई है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है, आइए इस पर और उनके अन्य विवादों पर नज़र डालते हैं जिनके बारे में बात होती रहती है।

आध्यात्मिक इन्फ्लुएंसर तान्या मित्तल बिग बॉस 19 के घर में आने के बाद से ही चर्चा में हैं। वह रियलिटी टेलीविजन शो में किए गए अपने दावों के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में, मुंबई के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने ग्वालियर एसएसपी कार्यालय में तान्या मित्तल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

फैजान का आरोप है कि तान्या मित्तल ने लोगों के पैसे ठगे और अपने प्रेमी बलराज को जेल भी भिजवा दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 में अपने परिवार और निजी जीवन के बारे में झूठ बोला था। फ़ैज़ान ने एफआईआर दर्ज होने के बाद उनकी गिरफ़्तारी की मांग की है। समाचार एजेंसी एएनआई को दिए गए एक बयान में, फ़ैज़ान ने आरोप लगाया है कि तान्या मित्तल ने कई सालों तक बलराज को डेट किया, उसे धोखा दिया और उसके साथ विश्वासघात किया। उसकी वजह से बलराज अब जेल में है। फ़ैज़ान ने मांग की कि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि तान्या मित्तल की वजह से एक निर्दोष व्यक्ति इस समय जेल में है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फ़ैज़ान ने मुंबई से आकर ग्वालियर के एसएसपी को एक लिखित शिकायत दी, जिसमें तान्या मित्तल से जुड़ी कई सच्चाइयाँ शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों के लोग तान्या मित्तल की सच्चाई जानते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ग्वालियर के लोग इससे अनजान हैं। फैज़ान ने यह भी कहा, 'तान्या मित्तल प्रभावशाली समुदाय का नाम खराब कर रही हैं। हम महाराष्ट्र से आते हैं और जब भी ग्वालियर का नाम सुनते हैं, तो हमें सिंधिया जैसे लोग याद आते हैं। यह शहर बड़ा हो रहा है और अब इसकी तुलना महानगरों से की जा रही है। लेकिन तान्या मित्तल जैसी लड़की अपने घर को बिग बॉस 19 से भी बड़ा बताकर ग्वालियर का नाम बदनाम कर रही है।'

अरुणाचल प्रदेश सड़क संपर्क में ऐतिहासिक परिवर्तन का गवाह बन रहा है-खांडू

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि संपर्क और बुनियादी ढांचा विकास की दिशा में राज्य एक 'ऐतिहासिक' परिवर्तन का गवाह बन रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के 'पेमा 3.0- सुधार और विकास वर्ष' पहल के तहत सड़क और पुल निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की गयी है।

सोशल मीडिया पर प्रगति को साझा करते हुए खांडू ने कहा कि राज्य में ग्रामीण सड़कों में 251 प्रतिशत विकास दर्ज किया गया और 3, 750 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है जो बेहतर संपर्क के माध्यम से समावेशी विकास के बारे में सरकार के मजबूत दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''अरुणाचल प्रदेश संपर्क में एक नया अध्याय लिख रहा है। अथक प्रयासों और दूरदर्शी योजना के साथ हमने राज्य के कोने-कोने तक भी सड़क बुनियादी ढांचे का विस्तार किया है।''

उन्होंने कहा कि केंद्र ने सीमांत राजमार्गों के निर्माण के लिए 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि मंजूर की है जिससे राज्य के सीमांत क्षेत्रों में अंतर-जिला संपर्क, सीमा क्षेत्र विकास और पर्यटन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

खांडू ने जोर देकर कहा, ''सीमावर्ती इलाकों पर रहने वाले हमारे लोग अब खुद को अलग-थलग महसूस नहीं करेंगे। सीमांत राजमार्ग न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेंगे, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए व्यापक अवसर भी खोलेंगे।''

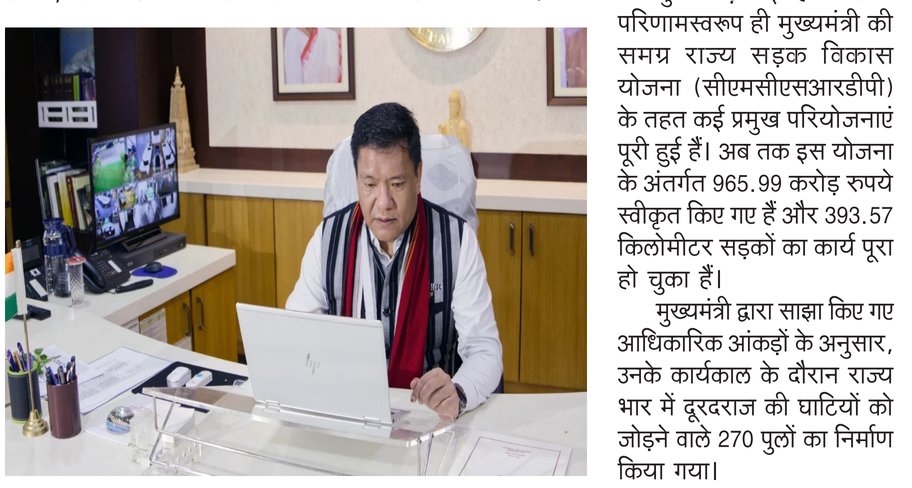

राज्य की बजटीय प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के बजट का 12.9 प्रतिशत हिस्सा सड़कों और पुलों के लिए आवंटित किया जाता है जो भारत में सबसे अधिक है।

खांडू ने कहा कि हाल के वर्षों में सड़क निर्माण की गति नौ गुना बढ़ गई है जिसके परिणामस्वरूप ही मुख्यमंत्री की समग्र राज्य सड़क विकास योजना (सीएमसीएसआरडीपी) के तहत कई प्रमुख परियोजनाएं पूरी हुई हैं। अब तक इस योजना के अंतर्गत 965.99 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं और 393.57 किलोमीटर सड़कों का कार्य पूरा हो चुका हैं।

मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, उनके कार्यकाल के दौरान राज्य भार में दूरदराज की घाटियों को जोड़ने वाले 270 पुलों का निर्माण किया गया।

महुआ से तेज प्रताप का नामांकन, बहन रोहिणी ने लिखा भावुक संदेश : 'यूँ ही चमकते रहो'

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी तेज़ होते ही, राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की कतार में लग गए हैं और नामांकन की बाढ़ आ गई है। मैदान में उतरने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संरक्षक लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और अब जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव भी शामिल हैं। गुरुवार (16 अक्टूबर) को उन्होंने महुआ विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और चुनावी मैदान में औपचारिक रूप से उतर गए। तेज प्रताप की बहन रोहिणी आचार्य अपने बड़े भाई के एक और राजनीतिक कदम आगे बढ़ने पर अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर समर्थन और प्रोत्साहन का एक गर्मजोशी भरा संदेश लिखा। उन्होंने लिखा, 'मेरे भाई, आपको दुनिया की सारी सफलता और खुशियाँ मिलें और आप यूँ ही चमकते रहें। ढेर सारी शुभकामनाएँ, प्यार और आशीर्वाद।' इस स्नेहपूर्ण पोस्ट ने यादव परिवार के भीतर मज़बूत पारिवारिक बंधन को उजागर किया, भले ही इसके सदस्य अपनी स्वतंत्र राजनीतिक यात्राएँ तय कर रहे हों। गौरतलब है कि रोहिणी ने एक दिन पहले भी ऐसा ही उत्साह व्यक्त किया था जब उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव ने आगामी चुनाव में राजद के चेहरे के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया था।

उनकी पोस्ट में लिखा था, 'उस समय हवा का रुख बदल चुका था; बिहार ने अपनी पसंद बना ली थी। तेजस्वी के नेतृत्व में हम एक नया बिहार बनाएंगे।' उन्होंने कहा कि मैं नामांकन में अपनी दादी मरछिया देवी की तस्वीर लेकर आया हूँ। उनके आशीर्वाद से मैं महुआ में जीतने जा रहा हूँ। जनशक्ति जनता दल जीतने जा रहा है। रोहिणी आचार्य ने मुझे फ़ोन किया, उन्होंने शुभकामनाएँ दीं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी के साथ ही राज्य भर में नामांकन दाखिल हो रहे हैं। सबसे चर्चित दावेदारों में तेज प्रताप यादव हैं, जो हज़ारों समर्थकों के साथ महुआ अनुमंडल कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल करने पहुँचे। अपनी दादी की तस्वीर हाथ में लिए तेज प्रताप यादव अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र महुआ से आधिकारिक तौर पर चुनावी मैदान में उतरे।

तेज प्रताप ने 2015 में महुआ सीट से पहली बार विधायक बनकर जीत हासिल की थी। 2020 में, वे समस्तीपुर के हसनपुर से चुनाव लड़े और फिर से विजयी हुए। हालाँकि, इस बार, परिवार और पार्टी दोनों से दरकिनार किए जाने के बाद, वे जन शक्ति जनता दल के बैनर तले महुआ से चुनाव लड़ रहे हैं। महुआ निर्वाचन क्षेत्र अब बिहार के सबसे हाई-प्रोफाइल चुनावी मैदानों में से एक बन गया है। वर्तमान में राजद विधायक मुकेश रोशन के पास, इस सीट पर जदयू की बागी आसमा परवीन और एआईएमआईएम के उम्मीदवार बच्चा राय भी हैं, जो टॉपर्स घोटाले में कथित संलिप्तता के लिए जाने जाते हैं।

वोटर लिस्ट में पत्नी का नाम नहीं, अब छपरा से खेसारी लाल यादव को मिला राजद टिकट!

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने आगामी बिहार चुनाव के लिए भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव को छपरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है। शुरुआत में, पार्टी ने इस सीट के लिए खेसारी की पत्नी चंदा देवी को उम्मीदवार बनाया था। हालाँकि, जब पता चला कि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो राजद ने उनकी जगह खेसारी लाल यादव को ही उम्मीदवार बनाने का फैसला किया।

छपरा विधानसभा क्षेत्र एक सामान्य सीट है और यह सारण लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इससे पहले बुधवार को, भोजपुरी गायक और अभिनेता ने तेजस्वी यादव के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा था कि वह राजद के लिए तभी प्रचार करेंगे जब उनकी पत्नी चुनाव नहीं लड़ेंगी। खेसारी ने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, 'मैं चाहता हूँ कि मेरी पत्नी चुनाव लड़ें। मैं पिछले चार दिनों से उन्हें मनाने की कोशिश कर रहा हूँ। अगर वह मान जाती हैं, तो हम नामांकन दाखिल करेंगे; अन्यथा, मैं केवल प्रचार करूँगा और भैया (तेजस्वी यादव) को जिताने की कोशिश करूँगा।'

वहीं, बिहार में 2025 के विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच, राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि एनडीए के भीतर आंतरिक कलह स्पष्ट दिखाई दे रही है। उन्होंने

कहा कि गठबंधन अब 'नैया डूबेगी अबकी बार' के नारे पर अड़ा है। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान 6 नवंबर और 11 नवंबर को होंगे और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। एएनआई से बात करते हुए, तिवारी ने कहा कि बिहार की जनता तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाली सरकार चाहती है।

उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक है, कोई शर्त या शर्त नहीं है, कोई टकराव नहीं है। महागठबंधन एकजुट है और मजबूती से चुनाव लड़ रहा है। अपार जनसमर्थन और जनता के आशीर्वाद से बिहार में तेजस्वी की सरकार बनने जा रही है।' तिवारी ने आगे कहा, 'यह एनडीए की विदाई है। उपेंद्र कुशवाहा ने भी कहा है कि कहीं कुछ ठीक नहीं है, जीतन राम मांझी नाराज़ हैं, नीतीश कुमार नाराज़ हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन से द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसर तलाशने सहित अन्य ''प्राथमिकता वाले क्षेत्रों'' की पहचान की।

बैठक के दौरान ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो भी मौजूद थे। भारत और ब्राजील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने नयी दिल्ली में ब्राजील के उपराष्ट्रपति के साथ बैठक की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''नेताओं ने संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण यात्राओं सहित सैन्य आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' उन्होंने मौजूदा रक्षा-संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा भी की।

जम्मू-कश्मीर : दरबार मूव बहाल, मुख्यमंत्री उमर बोले- 5 साल बाद हो काम का आकलन

श्रीनगर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि सरकार के कामकाज का मूल्यांकन उसके पाँच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद किया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार अल्पकालिक नहीं होगी और पार्टी घोषणापत्र में किए गए वादों का मूल्यांकन पूरे कार्यकाल के अंत में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार छह महीने की सरकार नहीं होगी। यह एक साल की सरकार नहीं होगी। यह पाँच साल की सरकार होगी। उन्होंने आगे कहा कि पाँच साल से पहले सरकार के प्रदर्शन का आकलन करने से उसकी योजनाओं के पूर्ण कार्यान्वयन का पता नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित पहले से उठाए गए कदमों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा विभाग द्वारा 860 सीपीडब्ल्यू, जो 500, 1000, 2000 रुपये वेतन पा रहे थे, को नियमित किया गया। अन्य विभागों ने भी यह प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमने अपने लोगों से जो वादे किए हैं, हम उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के शासन में काम करना एक अनूठा अनुभव है। हमें उम्मीद थी कि केंद्र सरकार पहले साल के भीतर ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का अपना वादा पूरा कर देगी। हम अब

भी मानते हैं कि जम्मू-कश्मीर की सभी समस्याओं का समाधान राज्य का दर्जा बहाल करने में निहित है।

उमर अब्दुल्ला ने चार साल से अधिक समय के अंतराल के बाद पारंपरिक द्विवार्षिक दरबार मूव को फिर से शुरू करने की घोषणा की। इस प्रथा, जिसमें मौसम बदलने पर राजधानी को जम्मू और श्रीनगर के बीच स्थानांतरित किया जाता है, को उपराज्यपाल प्रशासन ने 2021 में रोक दिया था। दरबार मूव की शुरुआत 1872 में महाराजा गुलाब सिंह ने दोनों क्षेत्रों में प्रशासनिक सुगमता सुनिश्चित करने के लिए की थी। यह एक सदी से भी ज़्यादा समय तक निर्बाध रूप से जारी रहा, जो जम्मू और कश्मीर की एकता का प्रतीक था, और 2021 में इसे स्थगित कर दिया गया। सरकार का यह फ़ैसला जम्मू-कश्मीर की सबसे पुरानी प्रशासनिक परंपराओं में से एक की वापसी का प्रतीक है।

भारत का एनएएम में कड़ा संदेशःआतंकवाद पर कोई समझौता नहीं, समर्थन करने वालों को भुगतना पड़ेगा अंजाम

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने बृहस्पतिवार को गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के सदस्य देशों से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान किया और कहा कि जो भी इसे किसी भी रूप में प्रायोजित करता है और न्यायोचित ठहराता है या इस पर पर्दा डालने का काम करता है, आतंकवाद उलटा उसे ही नुकसान पहुंचाएगा। यहां नाम की 19वीं मध्यावधि मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत की ओर से वक्तव्य देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक 'साझा खतरा' है जिसका समाधान केवल गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''दशकों से भारत बर्बरतापूर्वक किए गए सीमा पार आतंकवादी हमलों का शिकार रहा है, सबसे हालिया हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ, जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई।''

सिंह ने कहा कि इस आंदोलन का लगभग हर सदस्य आतंकवाद द्वारा उत्पन्न चुनौती से अवगत है और इसका मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, ''हालांकि, यह अत्यंत खेद की बात है कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर विचार-विमर्श किया, तो एक सदस्य देश ने अपराधी (द रेजिस्टेंस फ्रंट) का बचाव करने के लिए इस हद तक प्रयास किया कि उसने उसके बारे में किसी भी सार्वजनिक उल्लेख को हटाने की मांग तक कर दी।'' पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा, ''दुर्भाग्य से हमारे पास एक और सदस्य देश है जो इस देश की कार्रवाई का बचाव करता है।''

उन्होंने कहा, ''यह जरूरी है कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करे। आतंकवाद के प्रति किसी तरह का प्रायोजन, समर्थन, इसे न्यायोचित ठहराना या इस पर पर्दा डालने का परिणाम ऐसा करने वालों को भुगतना पड़ेगा।'' सिंह ने कहा कि जब राष्ट्र आतंकवाद को राज्य की नीति घोषित करते हैं, जब आतंकवादी केंद्रों को बिना किसी दंड के पनपने दिया जाता है, जब किसी देश के पदाधिकारियों द्वारा आतंकवादियों का महिमामंडन किया जाता है, तो ऐसी कार्रवाइयों की केवल स्पष्ट निंदा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, ऋण स्थिरता, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं, तकनीकी विभाजन, व्यापार

और शुल्क, तथा आतंकवाद जैसी चुनौतियों ने दुनिया और वैश्विक स्थिति को बेहद अस्थिर बना दिया है। सिंह ने कहा कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) मंच का उपयोग 'ग्लोबल साउथ' की वैध आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''आज हमें दरकार हैः निष्पक्ष और पारदर्शी आर्थिक तौर-तरीकों एवं निष्पक्ष व्यापार के लिए एक स्थिर वातावरण की, लचीली और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की, संघर्षों के तत्काल समाधान और सीमा पार आतंकवाद से निर्दोष लोगों की सुरक्षा की, वैश्विक साझा हितों की सुरक्षा की और विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाने की।'' विदेश राज्य मंत्री ने कहा, ''हमें वैश्विक निर्णय लेने में समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों सहित बहुपक्षवाद के सुधरे रूप के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए।''

कपिल शर्मा के कनाडा कैफे पर तीसरा हमला, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के सरे शहर में स्थित कॉमेडियन कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर बुधवार देर रात फिर से गोलीबारी हुई। यह पिछले चार महीनों में तीसरा हमला है। इस बार भी कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों और कुलदीप सिद्धू, जो लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े बताए जाते हैं, ने सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली है। हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। क्लिप में एक गाड़ी के अंदर से शूटिंग होती दिख रही है, जिसमें एक अज्ञात शख्स खिड़की से हैंडगन निकालकर कई गोलियां दागता हुआ नजर आता है।कम से कम छह गोलियां चलाई गईं, जिससे कैफ़े की एक खिड़की चकनाचूर हो गई। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ।

हमले के कुछ ही घंटे बाद ढिल्लों और सिद्धू ने एक पोस्ट जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा था- 'मैं, कुलदीप सिद्धू और गोल्डी ढिल्लों, कैप्स

कैफ़े पर हुई तीनों गोलीबारी की ज़िम्मेदारी लेते हैं। हमारी आम जनता से कोई दुश्मनी नहीं है। जिनसे हमारा विवाद है, वे हमसे दूर रहें। जो लोग अवैध कामों में शामिल हैं और पैसे नहीं देते, उन्हें तैयार रहना चाहिए।'

संदेश में 'बॉलीवुड में धर्म के खिलाफ बोलने वालों' को भी चेतावनी दी गई थी- 'उन्हें तैयार रहना चाहिए... गोलियां कहीं से भी आ सकती हैं।'

8 अगस्त का हमलाः दूसरी वारदात में कम से कम 25 गोलियां चलाई गईं। वीडियो में एक आवाज़ सुनाई दी- 'हमने टारगेट को फ़ोन किया था... लेकिन उसने घंटी नहीं सुनी, इसलिए हमें कार्रवाई करनी पड़ी। अगर उसने फिर भी नहीं सुनी, तो अगली कार्रवाई मुंबई में होगी।' इस धमकी के बाद कपिल शर्मा के मुंबई वाले घर के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी।

10 जुलाई का पहला हमलाः पहली घटना तब हुई थी जब कुछ कर्मचारी कैफ़े के अंदर मौजूद थे। कम से कम 10 गोलियां खिड़की पर दागी गईं, हालांकि कोई घायल नहीं हुआ। पहले हमले के बाद बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के सदस्य हरजीत सिंह लाडी ने इस वारदात की जिम्मेदारी ली थी। उसका दावा था कि कपिल शर्मा के शो में एक प्रतिभागी ने निहंग सिखों की पारंपरिक पोशाक पर अनुचित टिप्पणियां की थीं, जिससे समुदाय की भावनाएं आहत हुईं। गौरतलब है कि बीकेआई को कनाडा सरकार द्वारा एक आतंकवादी संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है, और हरजीत सिंह लाडी एनआईए की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र की कड़ी चेतावनी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हिंसा बंद करो, नागरिकों की खातिर दुश्मनी खत्म करो

इस्लामाबाद (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान और अफगानिस्तान से नागरिकों की सुरक्षा के लिए ''शत्रुता को स्थायी रूप से समाप्त'' करने का आग्रह किया, क्योंकि हाल ही में हुई झड़पों में दोनों देशों में दर्जनों लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए हैं। यह 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा पश्चिम समर्थित सरकार के पतन पर सत्ता संभालने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच सबसे भीषण संकट है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर के बाद से सीमा पार हिंसा में तेजी आई है और दोनों देशों का कहना है कि उन्होंने एक-दूसरे की तरफ से हुई सशस्त्र उकसावे की कार्रवाई के जवाब में हमले किए। बुधवार को दोनों पक्षों ने संघर्षविराम पर सहमति जताई। यह समझौता क्षेत्रीय शक्तियों की अपील के बाद हुआ, क्योंकि यह हिंसा उस क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डाल रही थी, जहां इस्लामिक स्टेट और अल-कायदा जैसे आतंकी समूह फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहे हैं। रातभर किसी बड़े संघर्ष की सूचना नहीं मिली, लेकिन बृहस्पतिवार को प्रमुख सीमा चौकियां बंद रहीं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने इस संघर्षविराम का स्वागत किया और कहा कि वह हताहतों की संख्या का आकलन कर रहा है। उसने बताया कि बुधवार को दक्षिणी क्षेत्र में सबसे अधिक जनहानि हुई। मिशन के अनुसार, 'वर्तमान जानकारी से पता चलता है कि अफगान सीमा क्षेत्र स्पिन बोल्डक में कम से कम 17 नागरिक मारे गए और 346 घायल हुए।''

पश्चिमी नेपाल में 4.9 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू (एजेंसी)। पश्चिमी नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत में बृहस्पतिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 1:08 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र बझांग जिले के दंतोला क्षेत्र में स्थित था।

बझांग जिला काठमांडू से लगभग 475 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। पड़ोसी जिलों बाजुरा, बैतड़ी और दारचुला में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। नेपाल सबसे सक्रिय विवर्तनिक क्षेत्रों (भूकंपीय क्षेत्र चार और पांच) में से एक में स्थित है, जो इसे भूकंपों के प्रति बेहद संवेदनशील बनाता है। यहां हर साल कई भूकंप आते हैं।

रूस के घातक ड्रोन व मिसाइल हमलों से यूक्रेन में छाया घना अंधेरा, जेंलेंस्की ने ट्रंप से मांगी मदद

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक अमेरिकी वायु रक्षा प्रणाली एवं लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग करने की तैयारी कर रहे हैं। यूक्रेन की राष्ट्रीय ऊर्जा संचालक कंपनी, यूक्रेनेर्गो ने बताया कि ड्रोन एवं मिसाइल हमलों के बाद आठ यूक्रेनी क्षेत्रों में बिजली काटनी पड़ी।

देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, डीटीईके ने राजधानी कीव में बिजली गुल होने की सूचना दी और कहा कि हमलों के कारण उसे मध्य पोल्टावा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस निष्कर्षण रोकना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 300 से ज़्यादा ड्रोन और 37 मिसाइलें दागीं। उन्होंने रूस पर क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने और ग्रिड की मरम्मत में लगे आपातकालीन कर्मचारियों एवं इंजीनियरों को निशाना बनाने के लिए एक ही लक्ष्य पर बार-बार हमले करने का आरोप लगाया। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर कहा, ''इस मौसम में, रूसी हर दिन हमारे ऊर्जा ढांचे पर हमला कर रहे हैं।''

जेलेंस्की के शुक्रवार को ओवल ऑफिस में ट्रंप के साथ बैठक से पहले बृहस्पतिवार को अमेरिका पहुंचने की उम्मीद है। कीव के अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन अमेरिका से क्रूज़ मिसाइलें, वायु रक्षा प्रणालियां और संयुक्त ड्रोन उत्पादन समझौते चाहता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)